TV उत्तरशक्ति NEWS

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 265
सोमवार, 13 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'होर्मुज स्ट्रेट के पास आने की गलती मत करना', ट्रंप के बयान पर ईरान की चेतावनी, अमेरिका की मांगों को किया खारिज

तेहरान ,12 अप्रैल। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट पर किसी होशियारी की कोशिश ना की जाए। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि कोई भी गलत कदम दुश्मन को होर्मुज जलडमरूमध्य के जानलेवा भंवरों में फंसा देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस अहम शिपिंग मार्ग पर अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी का आदेश दिए जाने के बाद आईआरजीसी का बयान आया है। बयान में कहा गया है कि ईरानी सुरक्षा बलों का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरी तरह से नियंत्रण बरकरार है।

IRGC नेवी ने कहा है कि अमेरिका के झूठे दावों के विपरीत गैर-सैन्य जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य एक सुव्यवस्थित प्रबंधन के तहत खुला है। कोई सैन्य जहाज अगर किसी बहाने से जलडमरूमध्य के करीब आने की कोशिश करेगा तो उसे युद्धविराम का उल्लंघन माना जाएगा। इस्लामाबाद में सीजफायर समझौते पर वार्ता बेनतीजा रहने के बाद दोनों ओर से आ रहे कड़े बयानों से एक बार फिर तनाव बढ़ गया है।

आईआरजीसी ने अमेरिकी को संदेश देते हुए कहा है कि अगर कोई सैन्य जहाज होर्मुज के करीब आएगा या इससे गुजरने की कोशिश करेगा तो उसे एक कड़े और गंभीर जवाब का सामना करना पड़ेगा। हम बताना चाहते हैं कि समुद्री आवागमन की सुरक्षा सुनिश्चित है लेकिन उकसावे वाली कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया है कि ईरान ने वार्ता में यूरेनियम संवर्धन बंद करने और प्रमुख संवर्धन सुविधाओं को नष्ट करने की अमेरिकी मांगों को खारिज कर दिया है। तेहरान ने हमास, हिजबुल्लाह और हूतियों की मदद बंद करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने की मांग भी अस्वीकार की हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर कई बयान दिए हैं। ट्रंप ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में यातायत की पूरी तरह से नाकेबंदी की जाएगी। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी नेवी तत्काल प्रभाव से अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने की कोशिश करने वाले जहाजों की नाकेबंदी शुरू करेगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि होर्मुज स्ट्रेट का ब्लॉकेड तुरंत प्रभावी होगा। दुनिया में सबसे बेहतरीन यूनाइटेड स्टेट्स की नेवी को मैंने यह निर्देश दिया है कि वह अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में ऐसे हर जहाज को खोजकर रोकें, जिसने ईरान को कोई फीस दी हो। ऐसे जहाज को खुले समुद्र में सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए ईरान को चेताया है और इस मुद्दे पर बयान दिए हैं। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का अहम समुद्री रूट है। अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी को किए गए हमलों के जवाब में ईरान ने इस समुद्री गलियारों को नियंत्रण में लिया है। इससे दुनियाभर में तेल-गैस की सप्लाई प्रभावित है, जिसने अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप को परेशान किया है।

मुंबई इंडियंस के हार की हैट्रिक, आरसीबी ने घरेलू मैदान पर आकर दी शिकस्त

मुंबई, 12 अप्रैल। आईपीएल 2026 में अपना पहला मैच जीतने के बाद मुंबई इंडियंस को हैट्रिक हार मिल गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई को उसके घरेलू मैदान पर 18 रनों के अंतर से हराया। डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी ने पहले बैटिंग करेत हुए 4 विकेट पर 240 रन ठोक दिए। मुंबई की टीम को अच्छी शुरूआत मिली टीम का कोई भी बल्लेबाज लगातार बड़े शॉट नहीं खेल पाया। टीम 5 विकेट पर 222 रन ही बना सकी। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी को फिल साल्ट और विराट कोहली ने दमदार शुरूआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 10.5 ओवर में 120 रन जोड़े। साल्ट आक्रामक

अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नजर आए और उन्होंने महज 36 गेंदों में 216 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 78 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में साल्ट ने 6 चौके और 6 छक्के लगाए। वहीं, दूसरे छोर पर कोहली एंकर की भूमिका निभाते हुए नजर आए, और उन्होंने 38 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 20 गेंदों का सामना करते हुए 53 रनों की शानदार पारी खेली। रजत ने अपनी इस पारी में 265 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 4 चौके और 5 छक्के लगाए। जितेश शर्मा 9 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 10 रन ही बना सके। हालांकि, अंत के ओवरों में टिम डेविड ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 16 गेंदों में 212 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 34 रन बनाए, जबकि रोमारियो शेफर्ड 2 रन बनाकर नाबाद रहे। गें ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सैंटनर, शार्दुल ठाकुर और हार्दिक पांड्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

राहुल गांधी ने 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर संविधान' को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली, 12 अप्रैल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर द कॉन्स्टिट्यूशन' मैराथन को हरी झंडी दिखाई और लोगों से उन ताकतों के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया, जिनका अंतिम लक्ष्य संविधान को खत्म करना है। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान बाबा साहेब अंबेडकर का संदेश है। अगर संविधान न होता, तो हम भारत को इस रूप में नहीं देख पाते।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों का मकसद संविधान को कमजोर करना है, जबकि कांग्रेस बीआर अंबेडकर द्वारा बताए गए समानता के आदर्शों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ₹आज आरएसएस-भाजपा से

जुड़े लोग भारत के संविधान को खत्म करना चाहते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि देश में सभी को बराबर माना जाए। भले ही भाजपा के लोग बाबा साहेब की मूर्ति के सामने हाथ जोड़ते हुए दिखें, लेकिन दिल से उनका मकसद और सोच संविधान को मिटाना ही है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस-भाजपा की विचारधारा वाले लोग बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों और भारत के संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे चाहे कुछ भी कहें या करें, उनका अंतिम मकसद संविधान को खत्म करना ही है। वे नहीं चाहते कि भारत में सभी के साथ एक जैसा बर्ताव हो। राहुल गांधी ने कहा कि भले ही वे डॉ. अंबेडकर की मूर्ति के सामने झुकते हों, लेकिन उनका असली मकसद वही रहता है, संविधान को खत्म करना। हमारा मकसद संविधान, उसके आदर्शों और उसके संदेश की रक्षा करना और उसे मजबूत बनाना है। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा, उसके ओबीसी विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसमें कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया, जो अलग-अलग जगहों से इस मैराथन में हिस्सा लेने और बाबा साहेब अंबेडकर को याद करते हुए संविधान का संदेश फैलाने में मदद करने के लिए आए थे।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी इस कार्यक्रम में भाषण दिया और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहूंगा कि यह पहल हमारे लोगों की एकता के लिए और डॉ. अंबेडकर के समान में की जा रही है, जिन्होंने हमारा संविधान लिखा था। आज, कुछ लोग संविधान को भटकाने और उसकी गलत व्याख्या करने की कोशिश कर रहे हैं और उसके बारे में अलग-अलग और गुमराह करने वाले विचार पेश कर रहे हैं। मेरा मानना है कि हमें संविधान की रक्षा और उसे सुरक्षित रखना चाहिए। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, के राजू, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, दीपेंद्र हुड्डा, ममता भूपेश, तनुज पुनिया, करमवीर बौद्ध और राजकुमार वेरका सहित कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

भारत-अमेरिका सांस्कृतिक रिश्तों को नई मजबूती, सिएटल में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण

सिएटल/नई दिल्ली, 12 अप्रैल। अमेरिका के सिएटल शहर के दिल कहे जाने वाले वेस्टलेक स्क्वायर में स्वामी विवेकानंद की भव्य कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया है। खास बात यह है कि किसी अमेरिकी शहर प्रशासन द्वारा स्थापित यह अपने तरह की पहली प्रतिमा है, जिसे भारत-अमेरिका सांस्कृतिक रिश्तों में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वामी विवेकानंद की यह प्रतिमा ऐसे इलाके में लगाई गई है जहां हर दिन हजारों लोग आते-जाते हैं। आसपास अमेजन का हेड ऑफिस, सिएटल कन्वेंशन सेंटर और मोनोरेल जैसी प्रमुख जगहें मौजूद हैं। ऐसे में यह प्रतिमा न सिर्फ श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान को दुनिया के सामने दिखाने का एक मजबूत माध्यम भी बन गई है। इस मौके पर सिएटल की मेयर कैटी विल्सन और सैन फ्रांसिस्को में भारत के कॉन्सुल जनरल प्रकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से इसका अनावरण किया। कार्यक्रम में कई शहरों के मेयर, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग शामिल हुए, जिससे यह आयोजन और भी खास बन गया। वेस्टलेक स्क्वायर (डाउनटाउन सिएटल) में स्थापित यह प्रतिमा एक प्रमुख सार्वजनिक स्थल पर लगाई गई है। सिएटल नगर प्रशासन विवेकानंद स्मारक की मेजबानी करने वाला पहला अमेरिकी शहर बना। सिएटल की मेयर केटी विल्सन ने प्रतिमा का अनावरण किया। समारोह में कई शहरों के मेयर शामिल हुए, जिनमें केंट, ऑबर्न, टुकविला, नॉमंर्डी पार्क और किर्कलैंड के मेयर प्रमुख रहे। इस प्रतिमा को इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन ने सिएटल शहर को भेंट किया है। जानकारों का मानना है कि यह कदम भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूत करने की दिशा में अहम है। क्ळउफलंबे समय से कला और संस्कृति के जरिए दुनिया के अलग-अलग देशों से रिश्ते मजबूत करने पर काम कर रहा है। स्वामी विवेकानंद वही महान संत हैं जिन्होंने एक सदी पहले पश्चिमी दुनिया में वेदांत और योग का परिचय कराया था। 1893 में उन्होंने अमेरिका के शिकागो से पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति से परिचय कराया था। आज भी उनके विचार युवाओं और समाज को प्रेरित करते हैं। सिएटल में उनकी प्रतिमा लगना इस बात का संकेत है कि भारत की आध्यात्मिक विरासत अब वैश्विक मंच पर और मजबूती से उभर रही है। इस कांस्य प्रतिमा का निर्माण प्रसिद्ध भारतीय मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने किया है, जिनकी कलाकृतियों में 80 से अधिक देशों में 600 से अधिक स्थापनाएं शामिल हैं। भारत की सांस्कृतिक गहराई और आध्यात्मिक परंपराओं को प्रतिबिंबित करने के लिए पहचानी जाने वाली कुमावत की कृतियां वैश्विक स्तर पर राष्ट्र की विरासत की दृश्य अभिव्यक्ति के रूप में कार्य करती हैं।

घरेलू काम करने वाली नाबालिग की पीट-पीटकर हत्या, सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

रांची, 12 अप्रैल। झारखंड के रांची जिले में 16 वर्षीय एक लड़की की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद आरोपियों ने मामले को भटकाने की कोशिश की, लेकिन सीसीटीवी कैमरो की फुटेज ने पूरे घटनाक्रम की परतें खोल दीं। फुटेज के आधार पर पुलिस ने हिरासत में सख्ती से पूछताछ की तब पुरा मामला सामने आया । पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को कांके पुलिस थाना क्षेत्र में एक अधिकारी के घर पर हुई। घटना का पता तब चला जब आरोपी अधिकारी अपने भाई के साथ

लड़की का शव उसके परिवार को सौंपने के लिए बुढ़मू ब्लॉक गया था। डीएसपी (ग्रामीण) अमर कुमार पांडे ने कहा कि पुलिस ने पहले उसके भाई और उसकी चार पहिया गाड़ी के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। अब तक की जांच में पता चला है कि पीड़िता की मौत में भाई की भूमिका 'संदिग्ध' है, जबकि चालक की भूमिका नगण्य प्रतीत होती है।' बुढ़मू पुलिस थाने में जीरो प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पीड़िता के शव को रांची ले जाया गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। डीएसपी ने बताया कि लड़की के शरीर पर चोट के कई निशान मिले, जिससे संकेत मिलता है कि उसकी पीट-पीटकर हत्या की गई थी। उन्होंने बताया कि वह लड़की पिछले चार वर्षों से कांके इलाके में अधिकारी के घर में घरेलू सहायिका के रूप में रह रही थी। पूछताछ में आरोपी अधिकारी ने पुलिस को बताया कि लड़की की मौत बाथरूम में गिरने से हुई थी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के परिवार के सदस्यों के बयानों के आधार पर इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिहार जा रही स्लीपर बस यमुना एक्सप्रेस-वे पर बेकाबू होकर पलटी, 40 यात्री घायल

मथुरा, 12 अप्रैल। नोएडा से बिहार जा रही स्लीपर कोच बस नौहझील के यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 76 के समीप रविवार शाम साढ़े सात बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में 70 यात्री सवार थे। हादसा होते ही बस के अंदर यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों की मदद से शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। दुर्घटना में 40 यात्री घायल हो गए। इनमें 10 की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को हाईवे से हटवाकर एक घंटे में यातायात सुचारू कराया। बस के चालक और परिचालक फरार हैं। बताया जा रहा है कि चालक बोतल में शराब भरकर सेवन कर रहा था। इससे बस अनियंत्रित हुई है। रविवार को नोएडा से 70 मजदूरों को लेकर एक स्लीपर कोच बस बिहार के दरभंगा जिले में जा रही थी। शाम साढ़े सात बजे नौहझील थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के माइल स्टोन 76 के समीप चालक का संतुलन बिगड़ गया। बस अनियंत्रित होकर

हाईवे का यातायात रुकने से घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्री सीटों और स्लीपर बर्थ के बीच फंस गए, जबकि कुछ के ऊपर सामान गिर गया। बच्चों और महिलाओं की चीखें सुनकर आसपास के ग्रामीण बचाव कार्य के लिए मौके पर दौड़े। पुलिस को सूचना दी। अधिकारियों में खलबली मच गई। कई थानों की पुलिस के साथ छह 108 एंबुलेंस घटनास्थल के लिए दौड़ पड़ी। पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू करते हुए बस के शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। कई घायल दर्द से कराहते रहे। हादसे में महिलाएं, बच्चों समेत 40 यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस ने एंबुलेंसों की मदद से घायलों को नौहझील और आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया है। गंभीर घायल होने पर 10 यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। कुछ यात्रियों का कहना है कि बस चालक बोतल में भरकर शराब का सेवन कर रहा था।

विदेशों में बुजुर्गों की स्थिति दयनीय, भारत में अपेक्षाकृत कम ओल्ड एज होम

संजीव ठाकुर

बुजुर्गों के अकेलेपन की समस्या वैश्विक रूप धारण कर चुकी है। भारत सहित चीन, जापान, स्वीटजरलैंड, अमेरिका फ्रांस कनाडा और ब्रिटेन में बुजुर्गों की स्थिति अकेलेपन के कारण दयनीय हो गई है। जापान तथा स्विट्जरलैंड में इच्छा मृत्यु लेने वालों की संख्या बढ़ गई। स्विट्जरलैंड, जापान में तो कई केंद्र ऐसे हैं जिनमें इच्छा मृत्यु धारण करने के वाले बुजुर्गों को वहां अलविदा कहकर भेज दिया जाता है। यह स्थिति मानवता के लिए अत्यंत चिंता करने वाली है।

मैंने स्वयं अपनी स्वीटजरलैंड, अमेरिका तथा ब्रिटेन की यात्रा के दौरान देखा है कि वहां के बुजुर्ग वहां के बाग बगीचों में टहलने की बजाय किताब या उपन्यास पढ़ते हैं और वहां कई इच्छा मृत्यु केंद्र (हॉस्पिटल) भी देखे हैं जहां बुजुर्ग स्त्री पुरुष स्वयमेव जाकर भरती होते हैं और इंजेक्शन लगवाकर इच्छा मृत्यु धारण कर लेते हैं वहां का यह प्रचलन अत्यंत दारुणिक और मार्मिक है। स्विट्जरलैंड और अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में भारत में अभी ओल्ड एज होम यानी वृद्ध आश्रम का चलन उस रफ्तार से नहीं बढ़ा है, जितना यूरोपीय देशों में इसका चलन बुजुर्गों के लिए ऐच्छिक बन चुका है। वहां पर लगभग 40% बुजुर्गों को ओल्ड एज होम भेज दिया जाता है।

भारत के संदर्भ में अभी भी बुजुर्गों को संयुक्त परिवार में काफी वरीयता दी जाती है किंतु जिन परिवारों में बुजुर्गों की संताने एकल परिवार वाली होती हैं वहां निश्चित तौर पर बुजुर्गों को वृद्ध आश्रम भेजने की तैयारी कर ली जाती है। पहले बुजुर्ग अपने नाती पोतों के साथ खेल कर उन्हें दादी नानी की कहानी सुना कर अपना बुढ़ापा गुजार लिया करते थे किंतु अब छोटे बच्चों को शिक्षा हेतु बाहर व्यावसायिक स्कूलों में भेज दिया जाता है जिससे बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं। संतानों के पास अपनी नौकरियों तथा व्यवसाय के कारण बुजुर्गों से बात करने का समय नहीं होता, नतीजतन बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं और अनेक बीमारियों के शिकार होने लगे हैं। भारत में आधुनिकता की होड़ ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए, ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है और परिवार में स्त्री पुरुष के नौकरी करने के कारण बच्चे या तो बुजुर्गों के साए में परवरिश के लिए बाध्य हैं अथवा उनकी देखरेख आया बाइयों के भरोसे पर निर्भर हो गई है। बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की असंवेदनशीलता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों, पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाती है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका है' बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका है' महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई है' बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी माता-पिता पर होती है। पर वर्तमान में बच्चे मां बाप के नौकरी पेशा होने के कारण अपने माता-पिता से दूर होते जा रहे हैं। बुजुर्ग और संतानों के बीच मोबाइल, व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट के कारण संवाद हीनता ने जटिल संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक, व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा है' उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार, समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित है' वे वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करें। इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगी। भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निदेर्शों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी है। भारत के नौजवान बुजुर्ग और बच्चे बड़ी तादाद में मौजूद हैं उन सब की रक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है। खास तौर पर बुजुर्गों की जो शारीरिक रूप से कमजोर एवं अक्षम होते हैं उनकी तरफ विशेष ध्यान देकर हमें उनकी रक्षा करनी होगी यह हमारा प्रथम दायित्व होगा।

क्या सभ्यताओं का संघर्ष है अमेरिका+इजराइल-ईरान युद्ध ?

-तनवीर जाफरी

अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध को विश्व राजनीति में अनेक दृष्टिकोणों से परिभाषित किया जा रहा है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों की राय है कि यह युद्ध अमेरिका द्वारा विश्व की तेल संपदा पर नियंत्रण करने की एक जानी पहचानी चाल है जिसे ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने के प्रयासों के बहाने युद्ध के रूप में अंजाम दिया जा रहा है। कुछ का मत है कि यह शस्त्र निर्माता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्राईल ईरान को अपने सपनों के 'ग्रेटर इस्राईल' के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिये से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है ? क्या है और कहाँ से शुरू हुई सभ्यताओं का संघर्ष की यह अवधारणा ?

सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लगभग 58 वर्ष तक अध्यापन का कार्य किया। ह्लसभ्यताओं के संघर्ष का सिद्धांत उन्हीं के द्वारा व्यक्त किया गया विचार है जिसे 'हंटिंगटन के सिद्धांत' के रूप में भी जाना जाता है। यह थ्योरी अमेरिका में हुये 9/11 के हमलों के बाद और भी चर्चित हुई और आज भी अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इसका समय समय पर जिक्र होता रहता है। वर्तमान अमेरिका -इस्राईल -ईरान युद्ध के दौरान इसतरह की चर्चा एक बार फिर तेज हो गयी है। तो क्या अमेरिका द्वारा मध्य एशिया पर थोपी गयी जंग को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ी दो अलग अलग ह्लसभ्यताओं के संघर्षह्व के रूप में परभाषित किया जा सकता है या परिभाषित किया जाना चाहिए ?

सबसे पहले तो यदि मुख्य रूप से मध्य एशिया में युद्धरत इन तीन देशों को ही देखें तो ईरान जहाँ शिया मुस्लिम बाहुल्य देश है वहीं इस्राइल एक यहूदी बाहुल्य मुल्क है जबकि युद्ध में उसका मुख्य सहयोगी अमेरिका एक ईसाई देश है। परन्तु इन तीनों ही देशों की सेनाओं में प्रत्येक धर्मों के लोग देखे जा सकते हैं। जहाँ इस्राईल की सेना इस्राईल डिफेंस फोर्सेज ह्लआईडीएफह्व में आज भी अरब व ईसाई मूल के लोग बड़ी संख्या में स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं वहीं अमेरिका में भी हजारों मुस्लिम अमेरिकी सेना का हिस्सा हैं। यहाँ तक कि अमेरिका में कई महत्वपूर्ण अधिकारी स्तर के पदों पर भी कई मुस्लिम तैनात हैं। ह्लइवह्व वर मिलिट्री दोनों ही जगह मुस्लिम सैनिकों को नमाज,रोजा व हलाल खाने जैसे सभी धार्मिक अधिकार व सुविधायें हासिल हैं। इसी तरह ईरान की सेना में भी ईसाई और यहूदी दोनों ही मूल के सैनिक कार्यरत हैं। वैसे भी चूँकि ईरान में 18 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष नागरिकों के लिए 2 साल की अनिवार्य सैन्य सेवा है, जिसमें ईसाई, आर्मीनियन और असिरियन, यहूदी और जोरोस्ट्रियन जैसे सभी मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। पिछले दिनों अमेरिका ईरान युद्ध के दौरान भी एक ईसाई ईरानी सैनिक के शहीद होने पर ईरानी सत्ता प्रमुख स्व सैय्यद अली खामनेई ने उस ईसाई फौजी अधिकारी के घर पहुंचकर उसके परिवार को सांत्वना दी थी जिसकी वीडिओ काफी वायरल हुई थी।

अब यदि इसी मध्य एशिया युद्ध को और बड़े सन्दर्भ में देखें तो भी हमें ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता जिससे इसे ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े सभ्यताओं के संघर्ष के रूप में वर्णित किया जा सके। वर्तमान ईरान- यूएस- इस्राईल युद्ध में ईरान को राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने वाले बड़े देशों में रूस का नाम प्रमुख रूप से लिया जा सकता है। रूस ने ईरान को वायु-रक्षा, ड्रोन तकनीक और अन्य उपकरणों की आपूर्ति की जिससे ईरान को आत्मरक्षा में भी आसानी हुई और वह इस्राईल व अमेरिकी ठिकानों पर भी कारगर हमले कर सका। जबकि रूस में भी सबसे बड़ा धर्म ईसाई धर्म है। खास तौर पर यहां रूढ़िवादी ईसाई रूस की कुल आबादी का लगभग 60ह्र70% हैं। यदि यह युद्ध ह्लसभ्यताओं का संघर्षह्व होता तो उस लिहाज से रूस ईसाई बाहुल्य अमेरिका के साथ खड़ा नजर आता न कि मुस्लिम बाहुल्य देश ईरान के साथ ? इसी तरह चीन ने भी इस युद्ध के दौरान आयरन डोम से लेकर अत्याधुनिक संचार व सूचना प्रणाली तक सब कुछ मुहैय्या कराया। यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी रूस व चीन ईरान के साथ मजबूती से खड़े रहे। चीन भी आधिकारिक तौर पर एक नास्तिक व धर्म-निरपेक्ष देश है परन्तु यहाँ सबसे बड़ी धार्मिक आबादी बौद्ध धर्म, ताओवाद और कन्फ़्यूज़ियसवाद के अनुयायियों की है। इनमें से किसी वर्ग का इस्लाम से कोई मेल नहीं खाता। फिर भी चीन ईरान के साथ डटकर खड़ा रहा।

इसके अतिरिक्त फ्रांस, स्पेन, इटली जैसे कई ईसाई बाहुल्य देशों ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की आलोचना कर यह जता दिया कि यह ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ा दो अलग अलग ह्लसभ्यताओं का संघर्षह्व कतई नहीं। इसी तरह सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,बहरीन,कतर,कुवैत,जॉर्डन ,मिस्र व मोरक्को जैसे अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों ने परोक्ष या अपरोक्ष रूप से यहाँ तक कि अपने देशों में अमेरिकी व अन्य पश्चिमी देशों के सैन्य अड्डे उपलब्ध कराकर ईरान की खुलकर मुखालिफत भी की। इसलिये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि किसी भी युद्ध को धार्मिक युद्ध या ह्लसभ्यताओं का संघर्षह्व के रूप में नहीं परिभाषित किया जाना चाहिए। क्योंकि प्रायः लगभग हर युद्ध के मूल में शक्तिसंतुलन,वर्चस्व,संसाधन,हथियारों की होड़, व्यवसायिकता, विस्तारवाद,पूंजीवाद, साम्यवाद व तरह तरह की राजनीति ही रही है। वर्तमान युद्ध भी जहाँ तेल संसाधनों पर अमेरिकी गिद्ध दृष्टि का परिणाम है वहीँ यह इस्राईल की विस्तारवादी नीति व महत्वाकांक्षाओं का भी नतीजा है। इस युद्ध को ईसाई-मुस्लिम युद्ध कहना न तो सही है, न ही उपयोगी। हाँ ऐसे विचारों को हवा देने से आपसी समझ बढ़ने के बजाय सामाजिक विभाजन ही बढ़ने की प्रबल संभावना है । युद्ध की वास्तविकता को समझने के लिये भू-राजनीति, इतिहास और शक्ति संतुलन को देखना जरूरी है, न कि केवल किसी देश की बहुसंख्य आबादी का धर्म। इस आधार पर सैमुअल पी. हंटिंगटन द्वारा पेश किये गये सभ्यताओं के संघर्ष के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

रक्तरंजित बैसाखी : जलियांवाला बाग की अमर गाथा

भारतीय इतिहास में 13 अप्रैल का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ अत्यंत पीड़ादायक भी है। यह दिन जलियांवाला बाग हत्याकांड के रूप में स्मरण किया जाता है, जो ब्रिटिश शासन की क्रूरता का भयावह उदाहरण है। 13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में निहत्थे और निर्दोष लोगों पर अंधाधुंध गोलियाँ चलाकर सैकड़ों लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना की पृष्ठभूमि में रॉलेट एक्ट था, जिसे 'काला कानून' कहा गया, क्योंकि इसके तहत बिना मुकदमे के किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार सरकार को मिल गया था। इस अन्यायपूर्ण कानून का पूरे देश में विरोध हुआ। अमृतसर में लोकप्रिय नेताओं सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल ने इसका कड़ा विरोध किया और लोगों को संगठित किया। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सैफुद्दीन किचलू का जन्म 1888 में अमृतसर में हुआ था; वे एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राष्ट्रवादी नेता थे तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े थे। वहीं, डॉ.

-सुनील कुमार महला

सत्यपाल भी अमृतसर के प्रसिद्ध चिकित्सक और स्वतंत्रता सेनानी थे, जो कांग्रेस से जुड़े हुए थे और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। 10 अप्रैल 1919 को ब्रिटिश सरकार ने दोनों नेताओं को गिरफ्तार कर लिया, जिससे जनता में भारी आक्रोश फैल गया और विरोध प्रदर्शन तेज हो गए।

13 अप्रैल 1919 को बैसाखी का पर्व था, इसलिए लगभग 10,000 पुरुष, महिलाएँ और बच्चे जलियांवाला बाग में एकत्र हुए। कुछ लोग राजनीतिक सभा के लिए आए थे, जबकि कई लोग मेले के कारण वहाँ पहुँचे थे। उस समय जलियांवाला बाग कोई व्यवस्थित बगीचा नहीं था, बल्कि चारों ओर मकानों से घिरा एक बड़ा खुला मैदान था, जिसमें आने-जाने के लिए केवल एक संकरा प्रवेश मार्ग था और चारों ओर ऊँची दीवारें थीं। सभा की सूचना मिलते ही ब्रिटिश अधिकारी रेजिनाल्ड डायर लगभग 90 सैनिकों के साथ वहाँ पहुँचा। उसके साथ दो मशीनगनों से लैस बख्तरबंद गाड़ियाँ भी थीं, जो संकरे मार्ग के कारण भीतर नहीं जा सकीं। डायर ने बिना किसी चेतावनी के सैनिकों को गोली चलाने का आदेश दे दिया। सैनिकों ने लगभग 10 मिनट तक लगातार गोलीबारी की और लगभग 1650 गोलियाँ चलाईं; गोलीबारी तब तक जारी रही जब तक गोला-बारूद लगभग समाप्त नहीं हो गया। सैनिकों ने सभी निकास मार्गों को घेर लिया था, जिससे लोग भाग नहीं सके और सैकड़ों लोग वहीं मारे गए। अपनी जान बचाने के लिए कई लोग बाग में स्थित एक कुएँ में कूद गए, जहाँ से बाद में 100 से अधिक शव निकाले गए; यह स्थान आज शहीदी कुआ के रूप में सुरक्षित स्मारक है।

मृतकों की संख्या को लेकर विभिन्न आँकड़े मिलते हैं।ब्रिटिश सरकारी अभिलेखों के अनुसार 379 लोग मारे गए और लगभग 200 घायल हुए; अमृतसर डिप्टी कमिश्नर कार्यालय की सूची में 484 शहीदों का उल्लेख मिलता है; जलियांवाला बाग की सूची में 388 शहीद दर्ज हैं; जबकि भारतीय अनौपचारिक आँकड़ों के अनुसार 1000 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 2000 घायल हुए। ब्रिटिश अभिलेखों में मृतकों में 337 पुरुष, 41 नाबालिग लड़के और एक छह सप्ताह का शिशु शामिल था। घटना के बाद अमृतसर में कर्फ्यू लगा दिया गया और घायलों को अस्पताल ले जाने की अनुमति तक नहीं दी गई, जिसके कारण कई लोग रातभर तड़पते हुए मर गए। इसके बाद पूरे क्षेत्र में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया और जनरल डायर ने कई कठोर आदेश लागू किए, जिनमें ह्यक्रॉलिंग ऑर्डर सबसे कुख्यात था, जिसके तहत एक गली से गुजरने वाले भारतीयों को पेट के बल रेंगकर गुजरने के लिए मजबूर किया जाता था; इसके अतिरिक्त अनेक स्थानों पर लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े भी लगाए गए। इस घटना(जलियांवाला बाग हत्याकांड) की देश-विदेश में तीव्र निंदा हुई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटिश शासन की आलोचना हुई। दबाव में आकर ब्रिटिश सरकार ने हंटर आयोग का गठन किया। आयोग के समक्ष डायर ने स्वीकार किया कि उसने पहले से ही लोगों को 'सबक सिखाने' का निर्णय ले लिया था और वह बख्तरबंद गाड़ियों के साथ आया था, जो संकरे मार्ग के कारण भीतर नहीं लाई जा सकीं। आयोग की रिपोर्ट के बाद 1920 में डायर को पदावनत कर कर्नल बना दिया गया, उसे भारत में कोई पद न देने का निर्णय लिया गया और अंततः उसे ब्रिटेन वापस भेज दिया गया। ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स ने इस घटना की निंदा की, जबकि हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने प्रारंभ में उसका समर्थन किया, जो ब्रिटिश इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय माना जाता है। इस घटना से आहत होकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई ह्यनाइटहुडह्न की उपाधि लौटा दी, वहीं महात्मा गांधी ने ह्यकेसर-ए-हिंदह्न सम्मान वापस कर 1 अगस्त 1920 को असहयोग आंदोलन की शुरूआत की, जो अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अहिंसक प्रतिरोध का व्यापक अभियान था। गांधीजी ने रॉलेट एक्ट के विरोध में सत्याग्रह का मार्ग अपनाया था। इस घटना का एक अन्य महत्वपूर्ण प्रभाव यह रहा कि ऊधम सिंह, जो इस हत्याकांड के प्रत्यक्षदर्शी थे, ने प्रतिशोध लेने का संकल्प लिया और 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में माइकल ओ'ड्वायर की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया, मुकदमा चला और 31 जुलाई 1940 को पेंटनविल जेल में फाँसी दे दी गई। इस प्रकार, जलियांवाला बाग हत्याकांड केवल एक दुखद घटना नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक मोड़ था, जिसने देशवासियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला को और अधिक प्रज्वलित कर दिया तथा अंग्रेजी शासन के अंत की नींव को मजबूत किया।

इलाज या कारोबार? सफेद कोट के पीछे का

– डॉ. सत्यवान सौरभ

हाल ही में सामने आई एक युवा डॉक्टर की कहानी ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। कैमरे के सामने आकर उसने जिस साहस के साथ अपनी नौकरी छोड़ने का कारण बताया, वह केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उसने कहा कि उस पर दबाव डाला जाता था कि अधिक से अधिक मरीजों को भर्ती किया जाए—चाहे उनकी स्थिति गंभीर हो या नहीं। इतना ही नहीं, कई बार मरीजों को आवश्यकता से अधिक समय तक आईसीयू में रखा जाता था, ताकि अस्पताल का बिल बढ़ सके। यह सुनने में जितना चौंकाने वाला है, उससे कहीं अधिक चिंताजनक है। क्योंकि स्वास्थ्य सेवा कोई साधारण सेवा नहीं है; यह विश्वास, जिम्मेदारी और नैतिकता पर आधारित एक संवेदनशील क्षेत्र है। जब इसी क्षेत्र में मुनाफाखोरी और अनैतिक प्रथाएँ जगह बनाने लगती हैं, तो इसका प्रभाव सीधे मानव जीवन पर पड़ता है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पहले से ही कई चुनौतियों से घिरी हुई है—सरकारी अस्पतालों में भीड़, संसाधनों की कमी, और निजी अस्पतालों में महँगी इलाज व्यवस्था। ऐसे में आम नागरिक अक्सर निजी अस्पतालों की ओर रुख करता है, इस उम्मीद में कि वहाँ बेहतर और त्वरित इलाज मिलेगा। लेकिन यदि वहीं उसे अनावश्यक भर्ती, बेवजह जाँच और बढ़े हुए बिलों का सामना करना पड़े, तो यह न केवल आर्थिक बोझ बनता है, बल्कि मानसिक रूप से भी उसे तोड़ देता है।

इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या चिकित्सा अब सेवा नहीं, बल्कि एक व्यवसाय बनती जा रही है? क्या डॉक्टरों पर भी ऐसे दबाव बनाए जा रहे हैं, जो उन्हें उनके पेशे की मूल भावना से दूर कर देते हैं?

यह समझना जरूरी है कि हर डॉक्टर या हर अस्पताल इस तरह की गतिविधियों में शामिल नहीं होता। आज भी देश में हजारों डॉक्टर ऐसे हैं, जो सीमित संसाधनों के बावजूद पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ मरीजों का इलाज करते हैं। लेकिन कुछ संस्थानों की गलत नीतियाँ और लालच पूरे पेशे की छवि को धूमिल कर देते हैं।

डॉक्टर द्वारा उठाया गया यह कदम—नौकरी छोड़ना—आसान नहीं होता, खासकर तब जब मेडिकल शिक्षा पर लाखों रुपये खर्च होते हैं और एक स्थिर करियर का दबाव भी होता है। ऐसे में अपनी नैतिकता के लिए खड़ा होना एक साहसिक निर्णय है। यह हमें यह भी दिखाता है कि सिस्टम के भीतर काम कर रहे कई लोग इस स्थिति से असहज हैं, लेकिन हर कोई खुलकर सामने नहीं आ पाता। यह समस्या केवल अस्पताल प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक तंत्र का हिस्सा बन चुकी है। बीमा कंपनियाँ, फार्मा इंडस्ट्री और निजी अस्पतालों के बीच एक जटिल संबंध बन गया है, जिसमें कभी-कभी मरीज केवल एक केस या क्लाइंट बनकर रह जाता है। इलाज का उद्देश्य स्वास्थ्य सुधार से हटकर राजस्व बढ़ाने की ओर झुकने लगता है।

आईसीयू में अनावश्यक रूप से मरीजों को रखना केवल आर्थिक शोषण ही नहीं, बल्कि एक गंभीर नैतिक अपराध भी है। आईसीयू जैसे संवेदनशील स्थान पर मरीज और उनके परिजन पहले से ही मानसिक दबाव में होते हैं। ऐसे में यदि उस स्थिति का फायदा उठाकर बिल बढ़ाया जाए, तो यह विश्वासघात की श्रेणी में आता है। इसके अलावा, अनावश्यक जाँच और उपचार भी एक बड़ी समस्या है। कई बार मरीजों को ऐसे टेस्ट करवाए जाते हैं, जिनकी तत्काल आवश्यकता नहीं होती। इसका सीधा असर उनकी जेब पर पड़ता है, और कई परिवार कर्ज में डूब जाते हैं।

इस स्थिति का एक और खतरनाक पहलू यह है कि इससे समाज में डॉक्टरों के प्रति विश्वास कम होने लगता है। जब लोग यह सोचने लगते हैं कि डॉक्टर उनके इलाज से ज्यादा उनके बिल पर ध्यान दे रहे हैं, तो यह पूरे स्वास्थ्य तंत्र के लिए एक गंभीर संकट बन जाता है। डॉक्टर और मरीज के बीच का संबंध विश्वास पर आधारित होता है, और जब यह विश्वास टूटता है, तो उसका पुनर्निर्माण आसान नहीं होता।

तो फिर समाधान क्या है?

सबसे पहले, स्वास्थ्य क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। अस्पतालों को अपने शुल्क, उपचार प्रक्रिया और भर्ती के मानकों को स्पष्ट रूप से सार्वजनिक करना चाहिए। मरीज और उनके परिजनों को यह जानने का अधिकार है कि उन्हें कौन-सा इलाज क्यों दिया जा रहा है।

दूसरा, नियामक संस्थाओं की भूमिका को मजबूत करना होगा। सरकार और संबंधित स्वास्थ्य प्राधिकरणों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों में नैतिक मानकों का पालन हो रहा है। अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

तीसरा, डॉक्टरों को भी एक सुरक्षित और स्वतंत्र कार्य वातावरण मिलना चाहिए। यदि उन पर प्रबंधन की ओर से अनैतिक दबाव डाला जाता है, तो उनके पास शिकायत करने और न्याय पाने का एक मजबूत तंत्र होना चाहिए। व्हिसलब्लोअर की सुरक्षा भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है। चौथा, मरीजों और समाज को भी जागरूक होना होगा। हमें अपने अधिकारों के बारे में जानकारी होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर सवाल पूछने चाहिए। इलाज के दौरान दूसरी राय लेना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके साथ ही, मेडिकल शिक्षा में नैतिकता को और अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। डॉक्टर बनने की प्रक्रिया केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें मानवीय मूल्यों और जिम्मेदारी की भी गहरी समझ होनी चाहिए। अंततः, यह समझना जरूरी है कि स्वास्थ्य सेवा कोई सामान्य उद्योग नहीं है। यह सीधे मानव जीवन से जुड़ा हुआ क्षेत्र है, जहाँ हर निर्णय का असर किसी की जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे में लाभ कमाना गलत नहीं है, लेकिन वह नैतिक सीमाओं के भीतर होना चाहिए। जिस डॉक्टर ने अपनी नौकरी छोड़कर यह सच्चाई सामने रखी, उसने केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं लिया, बल्कि समाज के सामने एक आईना रखा है। यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है कि यदि हमने समय रहते इस दिशा में सुधार नहीं किया, तो स्वास्थ्य सेवा का वह स्वरूप, जिस पर हम भरोसा करते हैं, धीरे-धीरे खो सकता है। आज जरूरत है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें—सरकार, अस्पताल, डॉक्टर और आम नागरिक—सभी मिलकर एक ऐसा स्वास्थ्य तंत्र बनाएं, जहाँ इलाज सेवा हो, सौदा नहीं; जहाँ मरीज भरोसे के साथ आए और सम्मान के साथ ठीक होकर जाए। क्योंकि अंत में, कोई भी सैलरी, कोई भी मुनाफा और कोई भी संस्थागत लक्ष्य—एक इंसान की जिंदगी और उसके विश्वास से बड़ा नहीं हो सकता।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने पूर्वी क्षेत्र में 1 करोड़ बिक्री का आंकड़ा पार किया

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने पूर्वी क्षेत्र में 1 करोड़ संचयी बिक्री का ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है और इसके मजबूत बाजार विस्तार को दशार्ती है। पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे प्रमुख बाजारों में मिली यह सफलता एचएमएसआई की बढ़ती लोकप्रियता और ग्राहकों के भरोसे को और मजबूत करती है। यह उपलब्धि एचएमएसआई के मजबूत और लगातार विस्तार को दशार्ती है, जो महानगरों के साथ-साथ उभरते अर्ध-शहरी बाजारों में भी साफ दिखाई देता है, जहाँ दोपहिया वाहन रोजमर्रा की आवाजाही में अहम भूमिका निभाते हैं। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए एचएमएसआई के डायरेक्टर, सेल्स और मार्केटिंग मुत्सुओ उसुई ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र में 1 करोड़ बिक्री का मील का पत्थर इस बात को दशार्ता है कि हमारे प्रोडक्ट्स ग्राहकों की रोजमर्रा की गतिशीलता की जरूरतों में कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में तेजी से हुई वृद्धि हमारे पोर्टफोलियो पर बढ़ते भरोसे और महानगरों से लेकर उभरते शहरों तक हमारे नेटवर्क की मजबूती को उजागर करती है। आगे बढ़ते हुए हमारा ध्यान पहुँच को और विस्तार देने, ग्राहक अनुभव को मजबूत बनाने और क्षेत्र में विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

सुरों की मलिका आशा भोसले : वह सुमधुर आवाज जो कभी मौन नहीं होगी

भारतीय संगीत के विशाल आकाश में कुछ सितारे ऐसे होते हैं, जिनकी रोशनी समय के पार चली जाती है। आशा भोसले उन्हीं में से एक थीं। उनका जाना केवल एक महान गायिका का निधन नहीं,उस युग का भी विराम है, जिसने सुरों को सिर्फ सुना नहीं, जिया था। आशाजी भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग की अंतिम प्रतिनिधि थीं।

जब यह खबर हमारे सामने है, तो मन मानने को तैयार नहीं होता क्योंकि कुछ आवाजें इतनी गहरी होती हैं कि वे हमारे जीवन का हिस्सा बन जाती हैं। वे रेडियो से निकलकर घरों में बसती हैं, यादों में घुलती हैं, और अनजाने में हमारी अपनी कहानी बन जाती हैं। वे भारतीय फिल्म संगीत जगत में बहुमुखी प्रतिभा की धनी गायिका थी। अपने फिल्मी जीवन के शुरूआती दौर में आशा जी को लता जी की कॉपी ही माना जाता था लेकिन आगे चलकर उन्होंने अपनी स्वयं की प्रतिभा के दम पर अपनी एक ऐसी शैली विकसित की जिसे आज तक कोई और दोहरा भी नहीं सका। आशा जी की गायन शैली पूरी फिल्म इंडस्ट्री में अनूठी और अनोखी रही लेकिन अब यह जादुई आवाज मौन हो गयी है।

दशकों बाद आज भी जब पिया तू अब तो आजा की धुन बजती है, तो सिर्फ एक गाना नहीं बजता। पूरा दौर जीवित हो उठता है। उस एक पुकार ह्लमोनिकाङ्क ओ माय डार्लिंग !ह्व...में जो नटखटपन, जो ऊर्जा, जो जीवन था, वही आशा भोसले की असली पहचान थी लेकिन उन्हें सिर्फ इसी एक रंग में सीमित कर देना उनके साथ अन्याय ही है।

दम मारो दम... में उनकी आवाज विद्रोह बन जाती है तो चुरा लिया है तुमने जो दिल को... में वही आवाज मासूम मोहब्बत बन जाती है। दिल चीज क्या है...और इन आंखों की मस्ती में... उनकी गायकी शायरी बनकर दिल में उतरती है तो ये मेरा दिल में... वही आवाज ग्लैमर और आकर्षण की परिभाषा लिखती है। मेरा कुछ सामान सुनते ही एक अजीब सा खालीपन महसूस होता है तो आओ हुजूर तुमको...में वही आवाज जिंदगी को हल्के-फुल्के अंदाज में जीना सिखाती है। ₹ओ हसीना जुल्फों वाली, जरा सा झूम लूं मैं, रंगीला रे, आज जाने की ज़िद न करो, ये क्या जगह है दोस्तों, ₹राधा कैसे न जले₹ , ये सिर्फ गीत नहीं हैं, ये भावनाओं का एक पूरा ब्रह्मांड हैं । जिसे आशा भोसले ने अपनी दिलकश और बिंदास आवाज से रचा था।

आशा भोसले की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे हर गाने में एक किरदार बन जाती थीं। आर. डी. बर्मन के साथ उनकी जोड़ी ने संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और हेलेन के लिए उनकी आवाज ने स्क्रीन पर जादू रचा। ये ऐसा जादू था जिसमें आवाज और चेहरा एक हो जाते थे।

1933 में जन्मी आशा भोसले का जीवन आसान नहीं था। पिता के निधन के बाद कम उम्र में ही जिम्मेदारियां आ गईं। लता मंगेशकर जैसी महान बहन की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना किसी चुनौती से कम नहीं था। शुरूआत में उन्हें वे गाने मिलते थे, जिन्हें दूसरे कलाकार ठुकरा देते थे लेकिन आगे चलकर यही उनकी ताकत बनी। उन्होंने हर छोटे मौके को इतना बड़ा बना दिया कि वही गीत उनकी पहचान बन गए।

समय बदला, संगीत बदला, लेकिन आशा भोसले नहीं बदलीं। वे हर बार खुद को बदल लेती थीं। 90 के दशक में रंगीला फिल्म में गाने गाकर उन्होंने साबित किया कि उम्र उनके लिए मायने नहीं रखती। नई पीढ़ी के साथ कदम मिलाना, नए प्रयोग करना, यह उनकी आदत थी, मजबूरी नहीं। आशा भोसले सिर्फ एक गायिका नहीं थीं, वे एक मजबूत महिला के रुप में भी बेमिसाल थीं। जीवन के उतार-चढ़ाव, निजी संघर्ष,इन सबका असर उनकी आवाज पर नहीं पड़ा बल्कि हर दर्द, हर अनुभव उनकी गायकी को और गहरा करता गया।

आज जब वे नहीं हैं, तो लगता है जैसे संगीत में एक खालीपन आ गया है। रेडियो पर वही गाने बजेंगे, प्लेलिस्ट में वही धुनें होंगी। लेकिन यह एहसास हमेशा रहेगा कि जिस आवाज ने इन्हें जन्म दिया, वह अब हमारे बीच नहीं है। कलाकार मरते नहीं, उनकी कला उन्हें अमर बना देती है। आशा भोसले भी कहीं नहीं गई हैं। वे हर उस गाने में हैं, जिसे हम सुनते हैं। हर उस याद में हैं, जिसे हम महसूस करते हैं। अब जब भी कोई गुनगुनाएगा । आज शब्द कम पड़ रहे हैं, लेकिन भावनाएं नहीं। आशा ताई, आपने हमें सिखाया कि संगीत सिर्फ सुर नहीं होता। वह जिंदगी होता है। आपने हर एहसास को आवाज दी, हर पल को यादगार बनाया। आप नहीं हैं, लेकिन आपकी आशाह्व हमेशा रहेगी, हर सुर में, हर दिल में, हर याद में।

चांदिवाली विधानसभा इलाके में नालों को चौड़ा करने के बारे में हुई बैठक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवाली विधानसभा इलाके में नालों को चौड़ा करने के बारे में विधायक दिलीप लांडे ने बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन परिमंडल 5 के दालान में संबंधित अधिकारियों के साथ एक जरूरी संयुक्त बैठक की। उक्त बैठक चांदिवाली विधानसभा इलाके में रुके हुए विकास कामों के संदर्भ में ली गई। इस मीटिंग में सफेद पूल ब्रिज, चांदिवाली ब्रिज और उमा माहेश्वरी मंदिर रोड पर बने ब्रिज के अधूरे कामों के बारे में संबंधित अधिकारियों को मानसून से पहले ये सभी काम पूरे करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह जॉइंट कमिश्नर ने घाटकोपर-अंधेरी लिंक रोड पर साकीनाका मेट्रो स्टेशन से सत्यनगर तक नालों को चौड़ा करने और संजयनगर से फोनिक्स मॉल तक नालों को चौड़ा करने के विषय पर भी चर्चा की, और संबंधित मनपा प्रशासन को नागरिकों की सुरक्षा और मानसून के दौरान पानी भरने की समस्या को हल करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान विधायक दिलीप लांडे ने लोगों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सभी काम समय पर पूरे करने का वादा किया। इस मीटिंग में विधायक दिलीप लांडे के साथ मनपा उपायुक्त देवीदास क्षिरसागर, सहायक आयुक्त धनंजय हेरलेकर, युवा सेना कार्यकारिणी सदस्य प्रयाग दिलीप लांडे के साथ संबंधित डिपार्टमेंट के अधिकारी और शिवसेना के पदाधिकारी मौजूद थे।

अंधेरी को आदर्श विधानसभा बनाना मेरा संकल्पः मुरजी पटेल

निकोलवाड़ी में आयोजित बाटी-चोखा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने लिया भाग

मुंबई। लोग निश्चिंत रहें, क्षेत्र के हर विकास कार्य को पूरा किया जाएगा और अंधेरी को आदर्श विधानसभा बनाना मेरा संकल्प है। यह बातें विधायक मुरजी पटेल ने कही। उत्तर भारतीय समाज की ओर से शनिवार को देर शाम अंधेरी (पूर्व) स्थित निकोलवाड़ी में आयोजित स्नेह सम्मेलन में मुरजी पटेल ने कहा कि यह आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रयास है, न कि कोई राजनीतिक मंच। उन्होंने आयोजक अशोक मिश्रा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने उन्हें सेवा का अवसर दिया है और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, अभी मेरे कार्यकाल के

तीन वर्ष से अधिक समय शेष है। आप सभी निश्चिंत रहें, क्षेत्र के हर विकास कार्य को पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि जो समाज संगठित होता है, वही मजबूत बनता है और निरंतर प्रगति करता है। उन्होंने समाज को संगठित रखना प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी बताया। साथ ही स्पष्ट किया कि बाटी-चोखा का यह आयोजन कोई राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि आपसी संवाद का माध्यम है, जिससे भाईचारा और अपनापन बढ़ता है। त्रिपाठी ने कहा कि अंधेरी क्षेत्र के लिए यह सौभाग्य की बात है कि यहां मुरजी पटेल जैसे विधायक और संध्या यादव जैसी जनप्रतिनिधि सक्रिय हैं, जो विकास की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजक अशोक मिश्रा ने बताया कि यह आयोजन परंपराओं को जीवित रखने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। बाटी-चोखा केवल भोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम है। इस अवसर पर स्वदेशीय व्यंजन बाटी-चोखा का आयोजन किया गया, जिसका उपस्थित लोगों ने आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार उत्तम पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में मनपा के/पूर्व प्रभाग समिति के अध्यक्ष प्रकाश मुसले, पूर्व नगरसेविका संध्या सुनील यादव, पूर्व नगरसेवक सुरेंद्र दुबे, समाजसेवी प्रमोद पाण्डेय, अखिलेश सिंह, रामाश्रय उपाध्याय, डॉ. शिवशयाम तिवारी, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, पत्रकार राजकुमार सिंह, आरटीआई एक्टिविस्ट राजू राठोड, बाबा यादव और आनंद उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग उपस्थित रहे।

एडवोकेट प्रह्लाद भिलारे बने यात्री सेवा सुविधा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष

कल्याण। कल्याण के वरिष्ठ अधिवक्ता और समाजसेवी एडवोकेट प्रह्लाद भिलारे को यात्री सेवा सुविधा संगठन का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पारसनाथ तिवारी ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा।

इस अवसर पर डॉ. तिवारी ने कहा कि भिलारे लंबे समय से नागरिकों की समस्याओं को लेकर सक्रिय रहे हैं और उनके अनुभव का लाभ संगठन को मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे प्रदेशभर के रेल, बस, पैदल और हवाई यात्रियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल करेंगे। नियुक्ति के बाद एडवोकेट भिलारे ने कहा कि कल्याण सहित प्रदेश के लाखों लोग रोजाना विभिन्न साधनों से यात्रा करते हैं। यात्रियों की सुविधा बढ़ाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता होगी। एडवोकेट भिलारे कल्याण के वरिष्ठ अधिवक्ता होने के साथ-साथ सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे एनसीपी की कल्याण जिला कमेटी के वकील सेल के अध्यक्ष तथा शरद प्रतिभाशाली सांस्कृतिक प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष भी हैं। इसके अलावा वे जूनियर अधिवक्ताओं के प्रशिक्षण के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित करते हैं। उनकी नियुक्ति पर एडवोकेट सुरेंद्र मिश्रा, विठ्ठल सालुंखे, दिनेश कीरतकर, राजाराम शेलार, एडवोकेट करण पांडेय और संगठन के पालघर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा समेत कई लोगों ने खुशी जताते हुए बधाई दी है।

यशवी लोढ़ा लिखित दूसरी पुस्तक द टीनेज क्रोनिकल्स-बुक 2 पर हुई सार्थक चर्चा

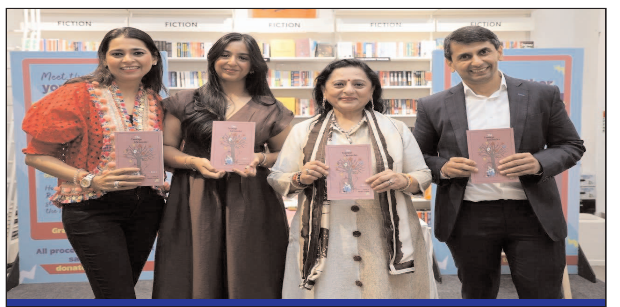

मुंबई। मायानगरी मुंबई के कैम्प्स कॉर्नर स्थित क्रॉसवर्ड बुक सेंटर में आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह एन ईवनिंग ऑफ यंग वर्ड्स में किशोरी कवयित्री सुश्री यशवी लोढ़ा के दूसरे पोएट्री कलेक्शन द टीनेज क्रॉनिकल्स- बुक 2 के विभिन्न पहलुओं पर बॉलीवुड की विभिन्न हस्तियों और प्रबुद्ध साहित्यकारों द्वारा सार्थक चर्चा की गई।

इस गर्मजोशी भरी शाम में बॉलीवुड के कई सेलिब्रिटी और मशहूर साहित्यकार मौजूद थे, जिनमें फिल्म अभिनेत्री ईशा देओल, रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी के अलावा वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती मंजू लोढ़ा मुख्य रूप से शामिल रहीं। इस स्टार-स्टडेड गैदरिंग में जाने- माने सोशलाइट्स, करीबी फैमिली फ्रेंड्स और शुभचिंतक बड़ी संख्या में अपना प्यार और सपोर्ट दिखाने के लिए मौजूद रहे। द टीनएज क्रॉनिकल्स झ बुक 2 कुल 45 कविताओं का एक कलेक्शन है, जो किशोरों के बड़े होने की अंदरूनी दुनिया को बखूबी दर्शाता है। किशोरों में अपनी पहचान, प्रेशर, अकेलापन, फेयरनेस, उम्मीद और खुद को खोजने जैसी थीम के जरिये यह किताब उन सारे सवालों और इमोशंस को दिखाती है, जो अक्सर टीन एज के मनोभावों को प्रभावित करते हैं। कई कविताएँ आज की युवा पीढ़ी से रखी जाने वाली उम्मीदों, लगातार तुलना करने के कल्चर और उन शांत संघर्षों को दिखाती हैं, जो शायद सतही तौर पर हमेशा दिखाई नहीं देते। यह कलेक्शन मेंटल हेल्थ, भविष्य को लेकर अनिश्चितता और बचपन की मासूमियत से बड़े होने की मुश्किलों में होने वाले अहम बदलाव को भी छूता है। साथ ही, इसमें सोच-विचार और उम्मीद का माहौल है, जो पढ़ने वालों को रुकने, खुद को बेहतर समझने और रोजमर्रा के पलों में मतलब खोजने के लिए बढ़ावा देता है। इस संग्रह की कविताएँ इस बात पर जोर देती हैं कि कन्फ्यूजन और खुद पर शक, बड़े होने का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं। मुंबई की प्रमुख युवा कवयित्री और लेखिका यशवी लोढ़ा, अपनी दूसरी किताब में एक ऐसी आवाज पेश करती हैं, जो देखने वाली और खुद को समझने वाली दोनों है। उनकी लिखाई उन भावनाओं के बारे में ईमानदार बातचीत शुरू करने की कोशिश करती है, जो कई युवा महसूस करते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें बताने में मुश्किल होती है। इस अवसर पर यशवी लोढ़ा ने लाइव कविता पाठ किया, जिसके बाद एक इंटरैक्टिव सेशन और बुक साइनिंग हुई, जहाँ मौजूद लोगों ने उनके काम को करीब से देखा। भारी भीड़ और उत्साहपूर्ण रिस्पॉन्स ने आज के साहित्य में युवा आवाजों की बढ़ती पहचान को बखूबी दिखाया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में, एक प्राइवेट फंक्शन में द टीनएज क्रॉनिकल्स झ बुक 2 के लोकार्पण के बाद इसकी एडवांस कॉपी को रिव्यू करते हुए, सदी के महानायक अमिताभ बच्चन द्वारा भी कवयित्री यशवी लोढ़ा की कविताओं की मुक्त कंठ से सराहना की गई।

समर्थ्य सेवा दिवस 2026: वसई-विरार में सेवा और मानवता का प्रेरणादायक उदाहरण

नालासोपारा। एक दिन सेवा के नाम थीम के तहत, समाजसेवी मोहित अगस्तमुनि दुबे के नेतृत्व में आयोजित समर्थ्य सेवा दिवस ने वसई-विरार क्षेत्र में परोपकार की एक नई मिसाल पेश की। इस पहल के अंतर्गत पशु सेवा, शिक्षा और वृद्धजन सहायता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किए गए। गौ सेवाः कार्यक्रम की शुरूआत नालासोपारा (पूर्व) स्थित लायंस आदर्श हाई स्कूल से हुई। यहाँ से टीम वाघराल पाड़ा की गौशाला पहुँची, जहाँ गायों को 100 से अधिक रोटियाँ, गुड़ और 20 किलो खीरा खिलाया गया। शिक्षा और छात्र सहायताः एल.बी. इंग्लिश हाई स्कूल में 50 विद्यार्थियों को नाश्ता व स्टेशनरी किट वितरित की गई। वहीं, ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल में 20 जरूरतमंद छात्रों को पुस्तकें भेंट की गईं। स्कॉलरशिप प्रोग्रामः इन्फिनिटी साइंस क्लासेस में आयोजित समर्थ्य मेगा एजुकेशनल स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत वेदांश मिश्रा और अनवर अंसारी को कुल 1.7 लाख की स्कॉलरशिप प्रदान की गई। अन्य सेवा कार्यः आर.एस. दुबे आदर्श हाई स्कूल में 50 से अधिक बच्चों को नोटबुक बांटी गई और गर्मी को देखते हुए 500 छात्रों के लिए छाछ वितरण का आयोजन किया गया। वृद्धाश्रम में समापनः कार्यक्रम का समापन साकावर स्थित मानव सेवा ट्रस्ट वृद्धाश्रम में हुआ। यहाँ 1100 किलो खाद्य सामग्री वितरित की गई, वृक्षारोपण किया गया और आध्यात्मिक शांति के लिए सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया गया। इस अवसर पर मोहित दुबे ने सभी सहयोगियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, सामूहिक प्रयासों से ही समाज में बड़ा और सकारात्मक बदलाव संभव है।

भोयदापाड़ा से नायगांव तक सड़क और सीवरेज विकास कार्यों का शुभारंभ

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा भोयदापाड़ा से राजावली होते हुए नायगांव (ईस्ट) के वामन ढाबा तक सड़क सुदृढ़ीकरण एवं आरसीसी पाइप सीवर निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया। उक्त क्षेत्र की सड़कें लंबे समय से अत्यंत खराब स्थिति में थीं। विधायक स्नेहा दुबे पंडित लगातार वसई-विरार महानगरपालिका से इस सड़क के सुदृढ़ीकरण तथा सड़क किनारे आरसीसी पाइप सीवर निर्माण की मांग कर रही थीं। इसके परिणामस्वरूप महानगरपालिका ने इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान की और नवंबर 2025 में टेंडर प्रक्रिया भी शुरू की गई थी। हालांकि, नगर निगम चुनाव के दौरान लागू आचार संहिता के कारण प्रशासनिक प्रक्रिया अस्थायी रूप से रुक गई थी। आचार संहिता समाप्त होने के बाद प्रक्रिया पूर्ण की गई और कार्यादेश जारी किए गए। इसी क्रम में 12 अप्रैल 2026 को इस महत्वपूर्ण विकास कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत सड़क का सुदृढ़ीकरण, डामरीकरण/ कंक्रीटीकरण, आधुनिक तकनीक से आरसीसी पाइप सीवर निर्माण किया जाएगा। इससे क्षेत्र में बेहतर यातायात सुविधा, जल निकासी की उचित व्यवस्था, स्वच्छता में सुधार, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी जैसे महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होंगे। भोयदापाड़ा, राजावली और नायगांव (ईस्ट) के हजारों नागरिकों को इस विकास कार्य का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे उनके दैनिक जीवन में सुधार आएगा और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। इस अवसर पर बोईसर विधानसभा के विधायक विलास तारे सहित कई गणमान्य व्यक्ति, पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे विकास कार्यों की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा लोगों को बेहतर सड़कें, सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था और मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। नायगांव (ईस्ट) के विकास के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं और भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यों के माध्यम से क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। अंत में यह भी बताया गया कि क्षेत्र के समग्र, टिकाऊ एवं नियोजित विकास के लिए भविष्य में कई अन्य परियोजनाएं भी लागू की जाएंगी।

माया गोविंद व राम गोविंद की स्मृति में सजी काव्य संध्या

मुंबई। मुंबई में सुप्रसिद्ध गीतकारा माया गोविंद एवं स्वर्गीय राम गोविंद की पावन स्मृति में उनके पुत्र द्वारा एक भव्य काव्य संध्या का आयोजन किया गया। यह आयोजन साहित्य, संगीत और भावनाओं का अनूठा संगम बनकर उपस्थित जनों के हृदय को छू गया। शनिवार शाम यह कार्यक्रम जुहू स्थित माया गोविंद निवास में आयोजित हुआ, जहाँ देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिष्ठित कवियों और कलाकारों ने अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कवि एवं अभिनेता विष्णु शर्मा, हास्य कवि आस करण अटल, शायर गुलशन मदान, शायरा पूनम विश्वकर्मा, कवयित्री अर्चना जौहरी, रेखा बब्बल, मीनू मदान, नंदिता शर्मा माजी और संगीता बाजपेई ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीतकार सरोज सुमन की संगीतमय प्रस्तुति ने माहौल को और भी मधुर बना दिया। कार्यक्रम का प्रभावशाली और सधा हुआ मंच संचालन नीता बाजपेई ने किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को गरिमा और सहजता के साथ आगे बढ़ाया। इस अवसर पर अजय गोविंद और रेखा बब्बल द्वारा माया गोविंद जी की रचनाओं का सुंदर और भावपूर्ण पाठ विशेष आकर्षण रहा, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंत में गायक प्रकाश मधुर तिवारी और करिश्मा शर्मा ने मधुर गीत प्रस्तुत कर माहौल को संगीतमय बना दिया और श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। यह काव्य संध्या न केवल एक श्रद्धांजलि थी, बल्कि साहित्य और संगीत के माध्यम से महान रचनाकारों की स्मृतियों को जीवंत रखने का एक सफल प्रयास भी साबित हुई।

डॉ. क्रिस्टियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन का 271वां जन्मदिन मनाया गया

मुंबई। भांडुप स्थित सुधांशु अस्पताल में होम्योपैथी के जनक डॉ. क्रिस्टियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन का 271वां जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य चिकित्सकों एवं सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. अनिल चाडक, डॉ. अशोक नारोडे, डॉ. सुधीर मेनन, डॉ. जुवेकर महोदया, डॉ. सी. वी. पाटिल, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. रमेश गुप्ता, डॉ. गिरी, डॉ. माजिद, डॉ. जंगबहादुर, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. जे. पी. पुंड, डॉ. प्रदन्या कदम, डॉ. सुप्रिया समाजवादी, डॉ. शर्मिला जैन, डॉ. योगेश नावडकर, डॉ. प्रशांत जाधव, डॉ. वर्षा तथा डॉ. गणेश जायसवाल उपस्थित रहे। समारोह के दौरान होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के महत्व, सिद्धांतों एवं समाज में इसके योगदान पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित सभी चिकित्सकों ने अपने विचार साझा किए और इस चिकित्सा पद्धति के प्रसार एवं विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ तथा सभी उपस्थित सदस्यों ने इसे एक यादगार और प्रेरणादायक आयोजन बताया।

नकली CBI अधिकारी बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार, विठ्ठलवाड़ी पुलिस की कार्रवाई

-चेतन निर्मल

उल्हासनगर। उल्हासनगर में खुद को CBI ऑफिसर बताकर लोगों से ठगी करने वाले एक जालसाज को विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम राजू अशोक पाटेकर बताया गया है। आरोपी खुद को सीबीआई ऑफिसर बताता था और लोगों को सीबीआई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठता था। पुलिस को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ और तलाशी में पुलिस को आरोपी के पास से एयरगन, 6 वॉकी-टॉकी, नकली सीबीआई बैच, फर्जी दस्तावेज और कई अन्य संदिग्ध सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। खास बात यह है कि अभी तक कोई भी ठगी का शिकार हुआ व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने सामने नहीं आया है। पुलिस ने खुद संज्ञान लेकर कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति खुद को उइक अधिकारी बताकर नौकरी का लालच देकर लोगों से पैसे ले रहा है। हमने जाल बिछाकर आरोपी राजू अशोक पाटेकर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एयरगन, वॉकी-टॉकी, नकली बैच और दस्तावेज मिले हैं। केस दर्ज कर जांच शुरू है। अभी तक कोई पीड़ित सामने नहीं आया है, लेकिन हम नागरिकों से अपील करते हैं कि अगर किसी के साथ इस तरह की ठगी हुई है तो बेझिझक विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में संपर्क करें। शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाएगी और उनके बयान के आधार पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य के शिक्षकों को मार्च महीने का वेतन अभी तक न मिला

मुंबई। महाराष्ट्र के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों को मार्च की सैलरी 12 तारीख बीत जाने के बाद भी नहीं मिली है, जिससे पूरे राज्य के शिक्षकों में बहुत ज्यादा नाराजगी व्याप्त है। बताया जाता है कि वेतन न मिलने की वजह से कई कर्मचारियों की घरों की ईएमआई बकाया हो गई हैं। घर की फाइनेंशियल प्लानिंग भी बिगड़ गई है।बता दें कि प्रायः हर महीने शिक्षकों का वेतन पहले ही सप्ताह में बैंक में आ जाता था। लेकिन इस बार १२ अप्रैल बीत जाने के बाद भी शिक्षकों को वेतन न दिया गया। वहीं मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वय रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों से सैलरी बिल प्रोसेस में बड़ी रुकावट आई है। साथ ही, डिजिटलाइजेशन प्रोसेस में गलतियों की वजह से सैलरी प्रपोजल पेंडिंग पड़े हैं। डॉक्टर सत्तार खान ने कहा कि ज्ञान का दीपक जलाने वाला शिक्षक समाज होता है। यदि इस समाज को समय पर वेतन न दिया गया तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा। दूसरी खास बात यह है कि टीचर और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की सैलरी उनका बुनियादी अधिकार है। प्रशासन की गलतियों का खामियाजा कर्मचारियों को क्यों भुगतना पड़े ? खान ने आगे कहा कि अगर डिजिटलाइजेशन में कोई गड़बड़ी है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए सभी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के ईमानदार टीचर और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की सैलरी रोकना गलत है। खान ने शिक्षा मंत्री राज्य के शिक्षा सचिव और शिक्षा आयुक्त से मांग कि संबंधित टेक्निकल समस्याओं को तुरंत हल किया जाए और मार्च महीने की सैलरी तुरंत दी जाए।

अजय यादव को समाजवादी पार्टी का मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने पर मिल रही बधाइयां

-आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की संस्तुति पर प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी द्वारा मुंबई प्रदेश की नई कार्यकारिणी घोषित किए जाने के बाद भिवंडी के अजय कुमार यादव को एक बार फिर मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर बरकरार रखा गया है। इस नियुक्ति से भिवंडी सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा जा रहा है और अजय यादव को लगातार शुभकामनाएँ मिल रही हैं। जानकारी के अनुसार, समाजवादी पार्टी ने पुरानी मुंबई प्रदेश कमेटी को भंग कर नई कार्यकारिणी की सूची जारी की है। इसी क्रम में अजय यादव को उनके पूर्व पद पर ही पुनः जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले हाल ही में भिवंडी के सलाउद्दीन स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने फरहान आजमी को महासचिव पद की जिम्मेदारी दी थी। अजय यादव का राजनीतिक व सामाजिक योगदान लंबे समय से रहा है। उनके पिता स्वर्गीय सीताराम यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापकों में शामिल थे और पार्टी संस्थापक स्व. नेताजी के करीबी सहयोगी रहे हैं। पारिवारिक पृष्ठभूमि और पार्टी के प्रति समर्पण के चलते अजय यादव का पार्टी नेतृत्व से विशेष जुड़ाव रहा है। उनकी इस नियुक्ति पर यदुवंशी समाजसेवा के राष्ट्रीय सचिव आचार्य सूरजपाल यादव तथा वरिष्ठ समाजसेवक सायन निवासी लालचंद यादव ने उनके कार्यालय पहुंचकर पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी। इसके अलावा बड़ी संख्या में समर्थक व शुभचिंतक फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें शुभकामनाएँ दे रहे हैं। अजय यादव की पुनर्नियुक्ति को लेकर कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है और उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में पार्टी मुंबई में और अधिक मजबूत होगी।

महाराष्ट्र पूरोगामी शिक्षक संघटना की चेतावनी, अगले हफ़्ते मार्च की सैलरी नहीं मिली तो होगा आंदोलन

-मनोज राय

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महीने की 12 तारीख आ जाने के बावजूद, पूरे राज्य में गहरा असंतोष फैल गया है, क्योंकि शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की मार्च की सैलरी अभी तक अटकी हुई है। सैलरी न मिलने के कारण, कई कर्मचारियों की एटक बाउंस हो गई हैं, और उनकी घरेलू आर्थिक योजना पूरी तरह से गड़बड़ा गई है। महाराष्ट्र पूरोगामी शिक्षक संघटना के प्रदेश अध्यक्ष तानाजी कांबले ने राज्य सरकार का ध्यान इस मामले की ओर खींचते हुए गंभीर प्रशासनिक खामियों की ओर इशारा किया है। आधिकारिक' टैब को बंद करना तथा अतिरिक्त शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को समायोजित करने की प्रक्रिया पूरी किए बिना सैलरी बिल प्रोसेसिंग सिस्टम में बदलाव करने कारण सैलरी मिलने में देरी हो रही है। इसके अलावा डिजिटलीकरण प्रक्रिया में हुई गलतियों के कारण भी सैलरी के प्रस्ताव अटके हुए हैं। शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को सैलरी का भुगतान उनका मौलिक अधिकार है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है कि कर्मचारी प्रशासनिक गलतियों का खामियाजा भुगतें। महाराष्ट्र पूरोगामी शिक्षक संघटना के प्रदेश अध्यक्ष ताना जी कांबले ने कहा कि अगर अगले हफ़्ते में सैलरी नहीं दी गई तो महाराष्ट्र पूरोगामी शिक्षक संघटना एक जोरदार आंदोलन शुरू करेगा। इसी मुद्दे पर बोलते हुए संघटना की महिला उपाध्यक्ष श्रीमती हेमलता गावित ने कहा कि सैलरी के भुगतान में देरी का हमारे महिला कर्मचारियों पर विशेष रूप से गंभीर असर पड़ रहा है। उन्हें घर के खर्च, बच्चों की शिक्षा और रोजमर्रा की ज़िम्मेदारियों को संभालने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को कर्मचारियों को राहत देने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए वरना महिला कर्मचारी भी बड़ी संख्या में इस आंदोलन में शामिल हो जाएंगी।

महाराष्ट्र पूरोगामी शिक्षक संघटना ने यह भी कहा कि डिजिटलीकरण प्रक्रिया से जुड़े किसी भी अनियमित मामले में शामिल लोगों के खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन इसके फलस्वरूप सभी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के ईमानदार शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सैलरी रोक दी जाए यहअन्यायपूर्ण है। महाराष्ट्र पूरोगामी शिक्षक संघटना ने इस पूरी स्थिति के लिए सीधे तौर पर राज्य शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराते हुए यह मांग की है कि इससे जुड़ी तकनीकी खामियों को तुरंत दूर किया जाए और मार्च महीने की सैलरी का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और शिक्षा विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को विरोध प्रदर्शन के संबंध में एक नोटिस भेजा है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

नौकरी के नाम पर ड्रग्स तस्करी कराने वाला गिरोह पकड़ा, दो गिरफ्तार

आजमगढ़ में बड़ा खुलासा

मो. इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के रानी की सराय थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़े संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरोह विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवकों को मादक पदार्थों की तस्करी में फंसाता था।

पुलिस के मुताबिक, 14 मार्च 2026 को बिलरियागंज थाना क्षेत्र के श्रीनगर सियरहा निवासी सुनील यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ लोग उन्हें विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर ड्रग्स तस्करी में शामिल करना चाहते हैं। शिकायत के आधार पर रानी की सराय थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान संदीप विश्वकर्मा, डॉ. फहीम खां, आदिल और नसीम आलम उर्फ भोनू के नाम सामने आए। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ एनडीपीएस एक्ट और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के

तहत भी कार्रवाई की गई।

रविवार सुबह करीब 6:20 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम बेलइसा में छापेमारी कर डॉ. फहीम खां और आदिल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी मऊ जनपद के घोसी थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे संदीप विश्वकर्मा के निर्देश पर नसीम आलम उर्फ भोनू को मादक पदार्थ उपलब्ध कराते थे। इसके बाद शम्भू यादव उर्फ श्याम यादव के माध्यम से इन्हें विदेश जाने वाले लोगों को थमा दिया जाता था, जिससे वे अनजाने में तस्करी के जाल में फंस जाते थे।

पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

फार्मर रजिस्ट्री का निरीक्षण, जिलाधिकारी ने किसानों से जल्द पंजीकरण की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र अंतर्गत जमालापुर स्थित नवीन जन सेवा केंद्र (सीएससी) का जिलाधिकारी

डॉ.दिनेश चंद्र ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर चल रहे ह्यफार्मर रजिस्ट्रीह्ण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ अब फार्मर रजिस्ट्री से ही मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में सभी कृषि योजनाओं को इस रजिस्ट्री से जोड़ दिया जाएगा, इसलिए प्रत्येक किसान का पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने गांवों में आयोजित कैंपों में पहुंचकर या लेखपाल से संपर्क कर जल्द से जल्द अपनी फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण कराएं। साथ ही, खतौनी और आधार से संबंधित किसी भी त्रुटि को तत्काल ठीक कराने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों, पंचायत सहायकों और जनप्रतिनिधियों से इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया, ताकि कोई भी पात्र किसान सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी परेशानी की स्थिति में किसान लेखपाल, तहसीलदार या उपजिलाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

इस मौके पर उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं नवीन कुमार, तहसीलदार राकेश कुमार समेत अन्य अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

2303 बूथों पर मनाई जाएगी डॉ.अम्बेडकर जयंती

◆ जौनपुर में भाजपा की तैयारी बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर नारी अभिनंदन एवं डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती की तैयारी को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा वंदे मातरम गीत के साथ हुई। इसके बाद जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि सुशील उपाध्याय ने कहा कि 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि उनके ह्यअंत्योदयह्ण के संकल्प को दोहराने का महापर्व है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे हर बस्ती और गांव में जाकर सेवा कार्य करें और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की समस्याओं को समझें।

एमएलसी बृजेश सिंह ने कहा कि 'नारी शक्ति' राष्ट्र के विकास की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाने, अम्बेडकर प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने तथा युवाओं को संविधान निर्माण में बाबा साहेब के योगदान के बारे में जागरूक करने की अपील की।

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने बताया कि जिले के 2303 बूथों पर अम्बेडकर जयंती मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में लाखों स्थानों पर एक साथ जयंती आयोजन भाजपा की विशेष पहल है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं बिना भेदभाव के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों तक पहुंच रही हैं। कार्यक्रम के अंत में जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। संचालन जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर संदीप तिवारी, अजय सिंह, अजय सरोज, पुष्पा निषाद, नीरज मौर्य, परविंदर चौहान, राज पटेल, विनय सिंह, अमित श्रीवास्तव, विकास शर्मा, धर्मेंद्र मिश्र, अंशु कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजपूत सेवा संगठन का सराहनीय पहल: किडनी ट्रांसप्लांट के लिए की आर्थिक सहायता मदद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजपूत सेवा संगठन द्वारा मानवीय

संवेदनाओं का परिचय देते हुए किडनी ट्रांसप्लांट हेतु आर्थिक सहायता के लिए दो दिवसीय सहयोग अभियान चलाया गया। यह अभियान जगदंबा सिंह (निवासी कछौरा, जौनपुर) के उपचार के लिए आयोजित किया गया। जिसमें संगठन के क्षत्रिय समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अभियान के अंतर्गत मात्र दो दिनों में रु.30,000 की सहयोग राशि एकत्रित की गई। जो संगठन की एकजुटता और सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इसके पश्चात संगठन का एक प्रतिनिधि मण्डल जौनपुर जिला अध्यक्ष मनीष सिंह के नेतृत्व में पीड़ित परिवार के निवास पर पहुंचा और जगदंबा सिंह के पिता को ?30,000 का चेक सौंपकर हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के किसी भी व्यक्ति के संकट के समय सहयोग करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। संगठन भविष्य में भी इसी प्रकार जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहेगा। परिवार के सदस्यों ने इस सहयोग के लिए संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आर्थिक मदद उनके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी और कठिन समय में उन्हें संबल प्रदान करेगी। यह पहल समाज में सहयोग, एकता और मानवीयता का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

काम दिलाने के नाम पर ठगी, 5 लाख रुपये हड़पे

कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। काम दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खेतासराय थाना क्षेत्र के कासिमपुर निवासी आसिफ ने आरोप लगाया कि अब्दुल अहद, हमजा व उनके साथियों ने वर्ष 2023 से 2026 के बीच उसे नौकरी दिलाने का भरोसा देकर करीब 5 लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने अलग-अलग समय पर उससे 1.88 लाख और 2.45 लाख रुपये नकद लिए, लेकिन न तो काम दिलाया गया और न ही पैसे लौटाए गए। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने अब्दुल अहद, हमजा समेत दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई जारी है। अगर आप चाहें तो मैं इसे और ज्यादा वायरल/हेडलाइन बेस्ड या टीवी एंकर स्टाइल में भी तैयार कर सकता हूँ ।

आग से छह बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, किसानों को भारी नुकसान

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के पाराकमाल गांव में शनिवार दोपहर अचानक गेहूं की खड़ी फसल में आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कई किसानों की मेहनत की फसल पल भर में जलकर राख हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस्ती के समीप अज्ञात कारणों से गेहूं के खेत में आग लग गई। तेज हवा के चलते आग तेजी से फैलती गई और आसपास के खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में कई बीघा फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। इस अग्निकांड में किसान सऊद अहमद की लगभग चार बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। वहीं शमशुद्दीन की करीब 15 बिस्वा और डंडसौली निवासी जियालाल की लगभग 12 बिस्वा फसल भी जलकर नष्ट हो गई। घटना के बाद किसानों में मायूसी छा गई है, क्योंकि उनकी साल भर की मेहनत पर पानी फिर गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और सामूहिक प्रयास से बाल्टी, पानी और मिट्टी की मदद से आग पर काबू पाया। हालांकि फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई थी, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है।

राष्ट्रीय लोकदल में नई जिम्मेदारी, अब्दुल सलाम बने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) संगठन ने अपना विस्तार करते हुए जनपद जौनपुर में नई नियुक्ति की घोषणा की गई है। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर अब्दुल सलाम को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जिलाध्यक्ष रघुनाथ यादव द्वारा जारी पत्र के अनुसार, यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आदेश एवं प्रदेश अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद की गई है। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष अब्दुल सलाम, मोहल्ला शेख मुहामिद,जौनपुर के निवासी हैं। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि अब्दुल सलाम संगठन को मजबूत करने, पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। साथ ही अल्पसंख्यक समाज के बीच पार्टी की पकड़ को और मजबूत करेंगे। इस नियुक्ति के बाद कार्यकताओं में उत्साह देखा जा रहा है और पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और सशक्त बनाने की दिशा में इसे अहम कदम माना जा रहा है। श्री सलाम पिछले कई वर्षों से विभिन्न सामाजिक संगठनों जैसे मर्सी क्लब, जिला अपराध निरोधक कमेटी, अशियम जन कल्याण फाउंडेशन,मरकजी सीरत कमेटी में विभिन्न पदों पर रहकर समाज के उत्थान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहे है।

जमीनी विवाद में युवक की चाकू गोदकर हत्या

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मेंहनगर थाना क्षेत्र के कटात चक कटात गांव में जमीन से जुड़े विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शनिवार की देर शाम बारजा निकालने को लेकर दो पटीदारों के बीच शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि चचेरे भाइयों के बीच हिंसक झड़प हो गई, जिसमें एक की जान चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी मोहन राम का अपने पटीदारों से घर के बारजा निकालने को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी मुद्दे को लेकर शनिवार की शाम उसका अपने चचेरे भाई विजेंद्र राम (40) से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ता चला गया और गाली-गलौज के बाद मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान मोहन राम ने आपा खो दिया और विजेंद्र राम पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में विजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल घायल विजेंद्र को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी मोहन राम मौके से फरार हो गया, जिससे गांव में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी लालगंज भूपेश कुमार पाण्डेय और मेंहनगर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपी मोहन राम के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीओ भूपेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले भी इसी मुद्दे को लेकर विवाद हो चुका था, जिसे उस समय सुलझा लिया गया था। हालांकि, एक बार फिर विवाद उभरने पर मामला इतना बढ़ गया कि उसने हिंसक रूप ले लिया और एक व्यक्ति की जान चली गई। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।

जिला बदर हिस्ट्री शीटर को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा चालान

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत नोनहट्टा मोहल्ला निवासी एक जिला बदर हिस्ट्री शीटर अपराधी को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसके घर से गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर चालान भेज दिया। नगर के नोनहट्टा मोहल्ला निवासी शैलेश उर्फ सल्लू पुत्र संतलाल जायसवाल के ऊपर आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें अपर जिला मजिस्ट्रेट भू राजस्व के न्यायालय में वाद के दौरान 6 माह के लिए 16 मार्च को जिला बदर घोषित कर दिया गया था। लेकिन आरोपित आदेश की अवहेलना करते हुए अपने घर पर ही मौजूद था। मुखबिर की सूचना पर कोतवाली निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने हमराहियों संग शुक्रवार की रात आरोपित के घर पर दबिश देकर गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर चालान भेज दिया।

घर पर कब्जा करने एवं मारपीट मामले में 4 पर मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के धन्नेपुर गांव में घर पर कब्जा करने का विरोध करने पर दबंगों द्वारा एक महिला सहित उसके परिजन के साथ मारपीट व गाली-गलौज करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर 4 नामजदों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धन्नेपुर निवासी दुलारी देवी पत्नी रामदुलार ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि बीते 9 अप्रैल की शाम गांव के ही अखिलेश बिन्द, अशर्फी, सौरभ (तीनों पुत्रगण स्व. राम आसरे) और सत्यम पुत्र अशर्फी उनके घर पर अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। जब इसका विरोध किया तो उन लोगों ने गालियां देते हुये मारपीट शुरू कर दिया। मारपीट के दौरान चन्दन बिन्द को काफी गंभीर चोटें आयी हैं। पीड़िता के अनुसार आरोपी जाते-जाते जानमाल की धमकी देते हुये चले गये। शनिवार को पुलिस ने इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। इस बाबत पूछे जाने पर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राम प्रकाश यादव को सौंपी गयी है और घायल का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

2027 में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाकर राष्ट्रीय विकल्प के रूप में उभरेगी समाजवादी पार्टी: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश के मौजूदा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक हालात पर चिंता जताते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता से आम जनता परेशान है। साथ ही संवैधानिक संस्थाओं पर बढ़ते दबाव ने जनता के विश्वास को भी प्रभावित किया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में देश को एक मजबूत, संवेदनशील और जनहितकारी राजनीतिक विकल्प की आवश्यकता है, और समाजवादी पार्टी इस दिशा में तेजी से उभर रही है।

पीडीए आंदोलन से बढ़ी पकड़: मोहम्मद अरशद खान ने बताया कि समाजवादी पार्टी का पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा दे रहा है। यह केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का व्यापक अभियान बन चुका है, जिससे पार्टी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

2027 चुनाव को बताया निर्णायक: उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के लिए ऐतिहासिक अवसर हैं। जनता का बढ़ता समर्थन संकेत दे रहा है कि प्रदेश में बदलाव तय है और पार्टी सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होगी पार्टी: उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनने के बाद समाजवादी पार्टी देशभर में अपने संगठन को और मजबूत करेगी और भारतीय जनता पार्टी के विकल्प के रूप में एक सशक्त राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरेगी।

समाजवादी विचारधारा ही समाधान: मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि समाजवादी विचारधारा ही देश को सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और लोकतांत्रिक मजबूती की दिशा में आगे ले जा सकती है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी का लक्ष्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और समावेशी भारत का निर्माण करना है।

डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, सैकड़ों ग्रामीणों को मिला लाभ

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (NMO), सेवा भारती एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सेवा विभाग द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जांच कैंप का आयोजन किया गया।

यह स्वास्थ्य शिविर मछलीशहर क्षेत्र के पांच प्रमुख स्थानों—नंदलाल का पुरा, दुर्गा नगर, कृपाशंकर नगर, कजियाना एवं कुल्हाड़ा—के साथ ही बदलापुर (भालुवाही सेवा बस्ती), मुंगराबादशाहपुर के तीन स्थानों—गुड़हई नई बाजार, पकड़ी बालाजी मंदिर प्रांगण एवं आजाद नगर काली जी मंदिर प्रांगण, रामपुर (सहनपुर सेवा बस्ती), मीरगंज (पंगुलदास कुटिया) तथा मड़ियाहू (चंडिका मंदिर प्रांगण) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सेवा भारती मछलीशहर के जिलाध्यक्ष डॉ.आर.बी. चौहान, महामंत्री डॉ. विभव सिन्हा, कोषाध्यक्ष रंजीत जी, संजय सिंह, राजकुमार, विष्णु सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निःशुल्क एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर के दौरान सैकड़ों ग्रामीणों

का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मरीजों को आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं और जरूरतमंदों के लिए जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी फैलाई गई।

इस अवसर पर डॉ.पूनम यादव, डॉ.विजय यादव, डॉ.एस.पी. यादव, डॉ.अनुज मौर्य, डॉ.योगेंद्र यादव, डॉ.हरिश्चंद्र, डॉ.उत्तम त्रिपाठी, डॉ.विकास पाल, डॉ.उनमेद प्रताप सिंह, डॉ.मोहम्मद इमरान, डॉ.शशांक गुप्ता एवं डॉ.मुकेश पाल सहित कई अनुभवी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम के अंत में जिला प्रचार प्रमुख जय प्रकाश तिवारी एवं जिला सेवा प्रमुख अरविंद ने सभी आगंतुकों, चिकित्सकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस दौरान योगेश जायसवाल, शिव कुमार लल्ला, राजू माली, अनिल भूरे, सदाशिव, हरिओम, मदन, राम प्रकाश, भास्कर, दीपक, सुभाष, जितेंद्र, राकेश, रवि, अदिति, रविथा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

34वां विश्वविद्यालयीय रोवर्स-रेंजर्स समागम सम्पन्न, विजेताओं को किया गया सम्मानित

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बदलापुर में आयोजित 34वां विश्वविद्यालयीय रोवर्स-रेंजर्स समागम 2026 का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। यह समागम 07 एवं 08 अप्रैल को आयोजित किया गया था।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रोवर्स-रेंजर्स के जिला मुख्यायुक्त एवं प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शम्भूराम ने कार्यक्रम के सुव्यवस्थित आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व एवं सेवा भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने विजेता महाविद्यालयों एवं प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट राकेश कुमार सिंह, प्रबंधक श्याम सिंह, प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह एवं आयोजन सचिव डॉ.कर्मचन्द यादव ने मुख्य अतिथि का बुके, अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष शिव शंकर सिंह ओम, शिव बहादुर सिंह ह्यनेताह्ण एवं पूर्व प्राचार्य प्रो.ब्रजेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। इस दौरान विजेता रोवर्स-रेंजर्स टीमों एवं

प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया, साथ ही विभिन्न महाविद्यालयों के प्रभारियों एवं प्रशिक्षकों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बदलापुर के साथ महिला महाविद्यालय गाजीपुर एवं पीजी कॉलेज गाजीपुर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहे। रेंजर्स वर्ग में बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर द्वितीय स्थान पर तथा रोवर्स वर्ग में राजा श्री कृष्ण दत्त महाविद्यालय, जौनपुर द्वितीय स्थान पर रहा।

आयोजन सचिव डॉ. कर्मचन्द यादव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागी महाविद्यालयों, प्रशिक्षकों, रोवर्स-रेंजर्स छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जय प्रकाश दक्ष, डॉ.राजेश सिंह, प्रो.ए.पी. सिंह, प्रो.धीरेंद्र पटेल, डॉ.ओम प्रकाश दुबे, डॉ.संतोष सिंह, डॉ.तिलक सिंह यादव, डॉ.अभिषेक गौरव, डॉ.रोहित सिंह, डॉ.कुलदीप शुक्ला, डॉ.हरिश्चन्द्र सिंह, डॉ.पवन सिंह, डॉ.पारुली सिंह, डॉ.रेखा मिश्रा, डॉ.तमन्ना नाज, डॉ.नीतू सिंह सहित अनेक शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समापन के बाद अन्य महाविद्यालयों की टीमें अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

जौनपुर में पुलिसिंग सुधार के लिए नई व्यवस्था लागू, थानों की होगी रैंकिंग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में पुलिस व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू की गई है। अब पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय में आने वाली शिकायतों की थानेवार सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर थानाध्यक्षों की रैंकिंग तय होगी। खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

जनपद में महिला साइबर थाने सहित कुल 30 पुलिस स्टेशन संचालित हैं। एसपी कार्यालय में शिकायतों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करने के लिए एक विशेष सेल का गठन किया गया है। पहले शिकायतें तो दर्ज होती थीं, लेकिन उनकी थानेवार सूची नहीं बनती थी, जिससे जिम्मेदारी तय करने में दिक्कत आती थी। नई व्यवस्था से पुलिसकर्मियों की जवाबदेही सुनिश्चित होने की उम्मीद है। पुलिस की छवि सुधारने के लिए हाल के दिनों में सख्त कदम भी उठाए गए हैं। लाइन बाजार थानाध्यक्ष सतीश सिंह और चंदवक थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह सहित चार चौकी इंचार्ज को निलंबित किया गया है। इसके अलावा 50 कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल पर भी कार्रवाई की गई है। इन पर रिश्वत लेने, शिकायतकताओं से दुर्व्यवहार और अनुशासनहीनता जैसे गंभीर आरोप लगे थे।

अक्सर यह देखा जाता रहा है कि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूर-दराज से जिला मुख्यालय तक आना पड़ता है। इस समस्या को कम करने और स्थानीय स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित करने के लिए थानेवार रैंकिंग प्रणाली लागू की जा रही है। खराब प्रदर्शन करने वाले थानाध्यक्षों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और जरूरत पड़ने पर उन्हें लाइन हाजिर भी किया जा सकता है।

पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि पिछले दो महीनों में यह कार्रवाई की गई है और आने वाले समय में भी सख्ती जारी रहेगी। फिलहाल 50 पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है, जिसमें चार थानाध्यक्ष भी शामिल हैं। शिकायतों की जांच अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) और अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) द्वारा की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

संतूर की विरासत, पखावज की प्रतिष्ठा : गूंजा सुरों का स्वर्णिम अध्याय, सुनाया श्रद्धा का अमर

संतूर की विरासत, पखावज की प्रतिष्ठा : गूंजा सुरों का स्वर्णिम अध्याय, सुनाया श्रद्धा का अमर राग

-सुरेश गांधी

वाराणसी। संकट मोचन संगीत समारोह की छठी निशा की चौथी प्रस्तुति संगीत, श्रद्धा और परंपरा के अद्भुत संगम का साक्षी बनी। जैसे ही मंच पर संतूर के साधक अभय रुस्तम सोपोरी विराजमान हुए, पूरा मंदिर प्रांगण एक विशेष भावभूमि में प्रवेश कर गया, एक ऐसी भावभूमि, जहां सुरों में स्मृतियां थीं, लय में विरासत और हर ध्वनि में भक्ति का स्पंदन। यही वजह रहा संगीत रसिकों को एक अविस्मरणीय अनुभूति दी। या यूं कहे इस दरबार में संतूर वादन की परंपरा का एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ा।

अपने पिता, संतूर सम्राट पंडित भजन सोपोरी की स्मृतियों को नमन करते हुए अभय रुस्तम सोपोरी ने 25वीं बार इस पावन मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह केवल एक प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा, पारिवारिक विरासत और साधना की निरंतरता का जीवंत प्रमाण थी। इन अत्यंत भावुक क्षणों में कलाकार ने अपने स्मृतिशेष पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संपूर्ण वादन हनुमान जी को समर्पित किया। इस भाव को अभिव्यक्त करने के लिए उन्होंने राग सरस्वती का चयन किया, एक ऐसा राग जो ज्ञान, शांति और आंतरिक ऊर्जा का प्रतीक है।

प्रस्तुति की शुरूआत में संतूर के तारों से निकला गंभीर आलाप मानो श्रोताओं को ध्यान की अवस्था में ले

गया। धीरे-धीरे राग का विस्तार होता गया और हर सुर में गहराई, संतुलन और सूक्ष्मता का अद्भुत समन्वय दिखा। आलाप की गाम्भीर्यपूर्ण रचना ने वातावरण में ऐसी तन्मयता पैदा की कि श्रोता पूरी तरह सुरों में डूबते चले गए। जैसे-जैसे वादन आगे बढ़ा, संतूर की मधुरता और कोमलता ने अपना प्रभाव और गहरा किया। हर तान में भावों की सहज अभिव्यक्ति और तकनीकी निपुणता का सुंदर संतुलन देखने को मिला। मंद्र से तार सप्तक तक की यात्रा में हर स्वर सजीव हो उठा। तानों की तरलता, मींड की महीनता और लयकारी की सटीकता ने यह सिद्ध कर दिया कि यह प्रस्तुति केवल अभ्यास का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों की साधना और आत्मिक जुड़ाव का प्रतिफल है। इस सुरमयी यात्रा को नई ऊंचाई दी पखावज पर पहली बार संगत कर रहे प्रो. विश्वम्भर नाथ मिश्रा ने। उनकी थाप में जहां ध्रुपद की गंभीरता थी, वहीं लय के सूक्ष्म विन्यास ने संतूर के हर स्वर को सुदृढ़ आधार प्रदान किया। पखावज के गूंजते बोल, धा, तित, किता, जब संतूर की झंकार के साथ संगति करते, तो एक ऐसा अद्भुत संगम बनता जो विरल ही सुनने को मिलता है। दोनों कलाकारों के बीच संवादात्मक जुगलबंदी इस प्रस्तुति का चरम बिंदु रही। कहीं संतूर आगे बढ़ता, तो कहीं पखावज उसे चुनौती देता; कहीं लय थमती, तो कहीं अचानक गति पकड़ लेती, इस संपूर्ण संवाद में संगीत का एक जीवंत खेल दिखाई देता रहा। यह जुगलबंदी सचमुच अद्भुत, अकल्पनीय और अविश्वसनीय रही, जिसने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हर सम पर पड़ती सशक्त थाप और उसके साथ संतूर की सटीक तान पर श्रोताओं की ह्वावाह्व गूंज उठती। मंदिर प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से बार-बार मुखरित होता रहा। देर रात तक श्रोता अपने स्थान पर डटे रहे, मानो इस सुरधारा से बाहर निकलना उन्हें स्वीकार न हो। इस प्रस्तुति ने यह सिद्ध कर दिया कि संकट मोचन का मंच केवल संगीत का आयोजन नहीं, बल्कि साधना, परंपरा और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र है। यहां हर कलाकार अपनी कला के माध्यम से ईश्वर से संवाद करता है और श्रोता उस संवाद के साक्षी बनते हैं। छठी निशा की यह प्रस्तुति लंबे समय तक संगीत प्रेमियों की स्मृतियों में जीवित रहेगी, एक ऐसी स्मृति, जिसमें संतूर की झंकार में पिता की विरासत गूंजती रही, पखावज की थाप में काशी की परंपरा बोलती रही और हर सुर में भक्ति का अमिट रंग घुला रहा।

आजमगढ़ में दो पक्षों में खूनी झड़प, वीडियो वायरल, जांच में जुटी पुलिस

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। रानी की सराय थाना क्षेत्र में चकनवा पेट्रोल पंप और कोटिला टोल प्लाजा के पास दो पक्षों के बीच हुई खूनी झड़प का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में चर्चा का माहौल है। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम कोटिला बाजार से लौट रहे गंभीरपुर थाना क्षेत्र के अमीड़ा मोहीउद्दीनपुर निवासी मो. सैफ और मो. सलीम पर कुछ लोगों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में दोनों घायल हो गए। पीड़ितों का आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं दूसरे पक्ष के बसीरपुर निवासी सूर्यप्रकाश सिंह ने आरोप लगाया कि अमीड़ा गांव के कुछ लोग उनकी मोटर पार्ट्स की दुकान में घुस आए और हॉकी-डंडों से हमला कर उन्हें बेहोश कर दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि हमलावर दुकान से करीब 47,600 रुपये लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मो. सैफ की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है, जबकि दूसरे पक्ष की तहरीर की भी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को अपनाने और आत्मसात करने की जरूरत: कवयित्री सुरेखा पैठणे

भिवंडी। महात्मा ज्योतिबा फुले की द्विशतकीय जयंती के अवसर पर उनके विचारों को समाज में अपनाने और आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कवयित्री व लेखिका सुरेखा पैठणे ने कहा कि हमें यह आत्ममंथन करना चाहिए कि हम एक समाज के रूप में उनके विचारों पर कितना अमल कर रहे हैं। वह भिवंडी मनपा द्वारा सामाजिक समता सप्ताह के तहत महात्मा फुले जयंती के अवसर पर पालिका मुख्यालय में आयोजित व्याख्यान में बोल रही थीं। इस अवसर पर उपमहापौर तारिक मोमिन, उपायुक्त विक्रम दराड़े, नगरसेवक फराज बहुउद्दीन, सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे, भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति के अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड़, पूर्व नगरसेवक विकास निकम, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे। अपने संबोधन में सुरेखा पैठणे ने कहा कि जिस काल में महात्मा फुले का जन्म हुआ, उसी दौर में कार्ल मार्क्स का भी जन्म हुआ था। जहां मार्क्स ने यूरोप में क्रांति की, वहीं महात्मा फुले ने भारत में सामाजिक समता और स्त्री शिक्षा की नींव रखकर क्रांतिकारी कार्य किया। उन्होंने उस समय ही सभी के लिए प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य बनाने का विचार रखा था। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले ने केवल स्त्री शिक्षा का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष भी किया। उनका कार्य केवल बहुजन समाज की महिलाओं तक सीमित नहीं था, बल्कि सभी पीड़ित महिलाओं के लिए था। उन्होंने उच्च वर्ग की महिलाओं के केशवपन और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं का विरोध कर समाज में महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया। कार्यक्रम की शुरूआत में उपमहापौर तारिक मोमिन व अन्य मान्यवरों ने महात्मा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का प्रास्ताविक व अतिथियों का परिचय सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे ने कराया, जबकि आभार प्रदर्शन जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी ने किया।

महात्मा फुले व डॉ. अम्बेडकर जयंती पर विशाल रक्तदान शिविर आज

चिराना। कस्बे की मांगीलाल जी की धर्मशाला में सोमवार को महात्मा ज्योतिराव फुले और डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर महावीर इंटरनेशनल वीर बहुजन सेवा केंद्र, चिराना के तत्वावधान में आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल होंगे। सेवा केंद्र के सचिव अनिल बारी ने जानकारी देते हुए बताया कि महावीर इंटरनेशनल द्वारा आयोजित यह तीसरा रक्तदान शिविर है। शिविर आयोजक चांदोलिया परिवार के गिरधारी लाल ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं आयरन टैबलेट्स प्रदान की जाएंगी। साथ ही अतिथियों का स्वागत पौधा गमला भेंट कर किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जाएगा। केंद्र के चेयरमैन डॉ. राजेंद्र कुमावत ने क्षेत्र के युवाओं और नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस मानव सेवा के पुण्य कार्य को सफल बनाने का आह्वान किया है।

14 अप्रैल को होगा हज प्रशिक्षण कार्यक्रम, 85 जायरीन होंगे शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद से हज यात्रा पर जाने वाले जायरीन के लिए 14 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय हज प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी हज ट्रेनर द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि जनपद के कुल 85 जायरीन इस वर्ष हज यात्रा पर जाएंगे, जिनके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम सुबह 11 बजे से मदरसा मोमिना लिल बनात सिपाह में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना अनवार अहमद कासमी करेंगे। इस प्रशिक्षण में हज कमेटी ऑफ इंडिया के दिशा-निर्देशों के अनुसार हज यात्रा 2026 से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी, जिसमें यात्रा की प्रक्रिया, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां और आवश्यक तैयारियों पर विशेष जोर रहेगा। हज ट्रेनर ने सभी जायरीन से अपील की है कि वे अपने हेल्थ कार्ड के साथ समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रशिक्षण का लाभ उठाएं, ताकि हज यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

चंदवक बाजार में अवैध अस्पताल, क्लीनिक व नर्सिंग होम का बोलबाला

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के चंदवक बाजार सहित बीरीबारी और बजरंग नगर में अवैध अस्पताल, क्लीनिक व नर्सिंग होम का संचालन धड़ल्ले से किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि यह सब कुछ स्वास्थ्य विभाग की नजर के सामने हो रहा है, बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार चंदवक बाजार स्थित पेट्रोल पंप के पास संचालित अंशिका बाल चिकित्सालय में करीब छह आईसीयू और आधा दर्जन भर्ती बेड की व्यवस्था बताई जा रही है, जहां मरीजों का इलाज किया जा रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि अप्रशिक्षित स्टॉप रहते हैं। इसी तरह बीरीबारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्थित आर.एन. हॉस्पिटल में भी छह से आठ बेड पर मरीज भर्ती कर उपचार किए जाने की बात सामने आई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन अस्पतालों और क्लीनिकों का संचालन बिना मानक और आवश्यक अनुमति के किया जा रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि संबंधित क्षेत्र के अधीक्षक के नाक के नीचे यह पूरा खेल चल रहा है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो कई स्थानों पर अस्पतालों के बोर्ड पर दर्ज डॉक्टरों के नाम महज औपचारिकता हैं, जबकि वास्तविकता में वहां योग्य चिकित्सक मौजूद नहीं रहते। इनके स्थान पर झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं, जो ओपीडी से लेकर छोटे-बड़े ऑपरेशन तक कर रहे हैं। इससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ने की आशंका बनी रहती है।

इंस्टाग्राम पर ' अजय ' बनकर ठगी व दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

* 4 महिलाओं से लाखों की ठगी के मामले का पदार्फाश

पालघर(उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया के जरिए ठगी और शोषण का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जिसने सभी को चौंका दिया है। एक शातिर युवक ने इंस्टाग्राम पर फर्जी हिंदू नाम और पहचान बनाकर महिलाओं को अपने जाल में फंसाया, शादी का झांसा दिया और उनसे लाखों रुपये ऐंठ लिये। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीड जिले का रहने वाला आरोपी इंस्टाग्राम पर ह्लअजय म्हस्केह्व नाम से फर्जी अकाउंट चलाता था। इसी के माध्यम से उसने पालघर की 29 वर्षीय अविवाहित महिला से संपर्क किया। बातचीत धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। आरोपी ने भरोसा जीतने के लिए मंदिर में सिंदूर व कुंकू लगाकर शादी का नाटक रचा। इसके बाद करीब छह महीनों तक वह पीड़िता के साथ संबंध बनाता रहा और अलग-अलग बहाने बनाकर उससे करीब ढाई लाख रुपये वसूल लिए। मामला तब और गंभीर हो गया जब आरोपी की पत्नी ने पीड़िता को फोन कर अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। इन्हें रोकने के बदले दो लाख रुपये की मांग की गई, जिससे पीड़िता मानसिक रूप से बेहद परेशान हो गई। पीड़िता ने अंततः स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं से संपर्क किया, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने रणनीति बनाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा और कभी मुंबई तो कभी पुणे बुलाता रहा, लेकिन पुलिस ने उसे आखिरकार दबोच लिया। विहिप बजरंग दल नेता मुकेश दुबे ने दावा किया कि आरोपी ने इसी तरह तीन अन्य महिलाओं को भी अपना शिकार बनाया है। साथ ही दो और महिलाओं को फंसाने की कोशिश की जा रही थी। पुलिस अब पूरे नेटवर्क और संभावित अन्य पीड़ितों की भी जांच कर रही है। इस मामले में आरोपी की पत्नी और खंडणी वसूलने में शामिल उसके एक साथी को भी सह-आरोपी बनाने की मांग उठी है। पुलिस ने धोखाधड़ी, ब्लैकमेल, पहचान छिपाने और खंडणी मांगने से संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विहिप बजरंग दल नेता मुकेश दुबे ने महिलाओं और युवतियों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर अजनबियों से संपर्क करते समय सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

स्वर्णकार समाज को जनसंख्या के हिसाब से मिले राजनैतिक भागीदारी: विनीत सेठ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ स्वर्णकार समाज द्वारा आयोजित लखनऊ में स्वर्णकार समागम सम्मेलन का आयोजन रवींद्रालय में किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश से सभी जिलों से स्वर्णकार समाज के लोगो ने हिस्सा लिया, उसी क्रम में जनपद जौनपुर से विनीत सेठ और अजीत सोनी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में दर्जनों गाड़ियां से लखनऊ पहुँचकर सम्मेलन में भागीदारी किया।

सम्मेलन में प्रदेशभर से आये वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी स्वर्ण कला बोर्ड का गठन हो,ओर आइपीसी की धारा 411 / 412 का दुरुपयोग न हो, इसी क्रम में सभा को संबोधित करते हुए विनीत सेठ ने कहा कि अब स्वर्णकार समाज किसी भी राजनैतिक पार्टी का बंधुआँ मजदूर नही है, समाज अब जाग चुका है, हमे भी जनसँख्या के हिसाब से राजनैतिक भागीदारी चाहिये,अब हम किसी भी राजनैतिक पार्टी के पिछलग्गू बनकर काम नही करेंगे। अजीत सोनी ने आयोजक मंडल सत्यनारायण सेठ,नीरज वर्मा, पुष्पेंद्रवर्मा, श्यामसुंदर वर्मा पूर्व चैयरमैन, कुंदन वर्मा सहित सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब भविष्य में इससे भी बड़ा सम्मेलमन कराये। सम्मेलन का कुशल संचालन उच्च न्यायालय अधिवक्ता सुषमा सोनी जी ने किया। जौनपुर से जाने वालों में मुख्य रूप से मुन्ना लाल सेठ, ओमप्रकाश सोनी, सचिन सोनी, मदन सोनी, नोखे लाल सेठ, संतोष सोनी, आलोक सेठ, भोले सेठ, जिलाजीत सेठ, सुभाष गर्ग, देवी लाल सोनी, अजय सेठ, राजेश सोनी, रामअवतार सोनी, सुजीत वर्मा, साहिल सेठ, अनुराग वर्मा, सचिन सेठ, श्री प्रकाश वर्मा, संदीप सोनी, संजय वर्मा,अनिल सोनी,धीरज सोनी, अमर जौहरी, भरत सेठ,रवि सोनी सहित सैकड़ो की संख्या में पहुँचकर सम्मेलन में भागीदारी किया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, तीन बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के गोडिला गांव में रविवार की शाम शॉर्ट सर्किट के कारण गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी अमर बहादुर यादव के खेत के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ। चिंगारी गिरते ही खेत में आग लग गई और लपटें तेजी से फैलने लगीं। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पानी व अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ी घटना टल गई। हालांकि, आग बुझने तक करीब तीन बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो चुकी थी, जिससे किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। घटना की सूचना पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। तहसील प्रशासन ने बताया कि पीड़ित किसान को शासन स्तर से सहायता दिलाने की प्रक्रिया की जा रही है।

जौनपुर में जाम से राहतः बदलापुर पड़ाव-तूतिपुर के बीच पीपे के पुल का लोकार्पण

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के शहरी क्षेत्र की जनता को जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलने जा रही है। बदलापुर पड़ाव से तूतिपुर तक गोमती नदी पर बनाए गए प्लाटून पुल (पीपे का पुल) का रविवार को लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित कर दिया गया। खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने विधिवत पूजन-अर्चन के साथ पुल का उद्घाटन किया। इस पुल का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 66.75 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि गोमती नदी शहर के बीचों-बीच बहती है, जिससे आधी आबादी नदी के इस पार और आधी उस पार रहती है। सीमित पक्के पुलों के कारण लोगों को अक्सर जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे में यह नया प्लाटून पुल आवागमन को सुगम बनाएगा और ट्रैफिक दबाव कम करेगा। उन्होंने बताया कि इससे बदलापुर पड़ाव, कटघरा, ताड़तला मखदूम शाह अढ़न, अबीरगढ़ टोला, तूतिपुर, पानदरीबा और पुरानी बाजार सहित कई मोहल्लों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि शास्त्री पुल के समानांतर बन रहे नए पक्के पुल के निर्माण में देरी को लेकर उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से शिकायत की थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष ब्रह्मदेव मिश्रा, नगर अध्यक्ष कमलेश निषाद, जिला महामंत्री अजय सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जातिसूचक शब्द कहकर शिक्षक की पिटाई, एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में एक शिक्षक के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद एवं अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना गोविंदपुर मनिहा की है। यहां के निवासी दशरथ राम, जो पेशे से शिक्षक हैं, ने बताया कि 9 अप्रैल की शाम लगभग 6 बजे वह ट्रैक्टर चालक को पैसा देने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि घर्रा सिंह, रोहित, राजन, अमित सिंह समेत अन्य लोगों ने उन्हें जातिसूचक शब्द कहते हुए अपमानित किया। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडे और ईंट से हमला कर दिया, जिससे शिक्षक घायल हो गए। पीड़ित के अनुसार, मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने गौराबादशाहपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मामले की जांच केराकत क्षेत्राधिकारी को सौंपी गई है।

जौनपुरः शादी का झांसा देकर शोषण, अश्लील फोटो वायरल करने के आरोप में सात पर मुकदमा दर्ज

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो-वीडियो प्रसारित करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर गांव का है। पीड़िता के अनुसार, बदलापुर थाना क्षेत्र के कटहरी अभयपुर निवासी एक युवक ने उसे शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शोषण किया। इस मामले में वर्ष 2023 से न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर पीड़िता की फर्जी आईडी बनाई और उस पर अश्लील फोटो व वीडियो पोस्ट कर दिए। साथ ही, भद्दी टिप्पणियां लिखकर उन्हें इंस्टाग्राम सहित अन्य इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर वायरल किया गया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि अज्ञात नंबरों से उसे लगातार फोन कर गाली-गलौज की जा रही है और मुकदमा वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस घटना से पीड़िता और उसका परिवार भयभीत है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान के तबादले के बाद हुआ विदाई समारोह

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली परिसर में पुलिस उपाधीक्षक अजीत सिंह चौहान के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। समारोह में वक्ताओं ने अजीत सिंह चौहान के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ किया। उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रही और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई। इस दौरान कोतवाली पुलिस तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों व नागरिकों ने उन्हें माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कोतवाली प्रभारी तेज बहादुर सिंह सहित अन्य सहकर्मियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनके कार्य और व्यवहार को सदैव याद रखा जाएगा। अपने संबोधन में अजीत सिंह चौहान ने सभी सहयोगियों, पुलिसकर्मियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शाहगंज में बिताया गया समय उनके जीवन के यादगार पलों में शामिल रहेगा और यहां का सहयोग उन्हें हमेशा प्रेरित करता रहेगा। समारोह का समापन शुभकामनाओं और भावुक विदाई के साथ हुआ। इस अवसर पर सभासद अर्पित जायसवाल, सभासद प्रतिनिधि सुनील अग्रहरि ह्यटप्पूह्न, अरुण पाण्डेय, रविकांत जायसवाल, सौरभ सेठ, भाजपा युवा नेता वेद प्रकाश जायसवाल समेत तमाम गणमान्य मौजूद रहे।